मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 251
सोमवार, 30 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

केरल की जनता अब बदलाव चाहती है और एनडीए का लक्ष्य राज्य के लोगों के सपनों को पूरा करना है: पीएम मोदी

केरल, 29 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के पलक्कड़ में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के चुनाव अभियान की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने राज्य की एलडीएफ सरकार और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की जनता अब बदलाव चाहती है और एनडीए का लक्ष्य राज्य के लोगों के सपनों को पूरा करना है।

प्रधानमंत्री ने दुनिया के मौजूदा हालातों का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध पर भारत की पैनी नजर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार कोशिश कर रही है कि इस युद्ध का भारत पर कम से कम असर पड़े। केरल के कई लोग उन युद्धग्रस्त इलाकों में काम कर रहे हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए पीएम खुद वहां के राष्ट्राध्यक्षों से संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए भारतीयों के हितों की सुरक्षा सबसे ऊपर है, जबकि इस मामले पर कांग्रेस की बयानबाजी खतरनाक है।

पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पलक्कड़ में कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं की चिंताएं बढ़ाई हैं। उन्होंने हाल ही में एक कांग्रेसी नेता के निष्कासन का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की महिलाओं को इन पार्टियों की सच्चाई समझनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भाजपा 'महिला नेतृत्व वाले विकास' पर विश्वास करती है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने 'नारीशक्ति वंदन अधिनियम' पास किया है ताकि विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी

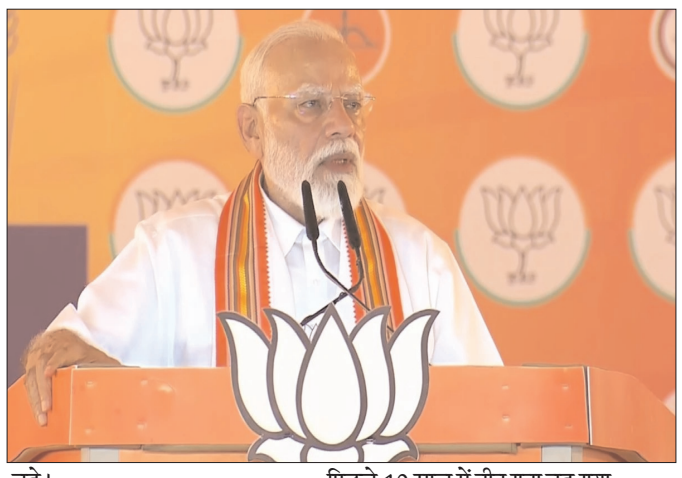

बढ़े।

राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर आज 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है, जो पिछले 10 साल में तीन गुना बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा विकास के बजाय एलडीएफ की जेबों में गया है। पीएम ने वादा किया कि जब केरल में भाजपा की सरकार आएगी, तो भ्रष्ट लोगों से पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा और उनकी अवैध संपत्ति वापस लेकर राज्य के विकास में लगाई जाएगी।

मोदी ने जनता को आगाह करते हुए कहा कि दिल्ली और तमिलनाडु में हाथ मिलाने वाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां केरल में एक-दूसरे का विरोधी होने का दिखावा करती हैं।

उन्होंने इसे जनता को धोखा देने वाला इंडी गठबंधन बताया। पीएम ने कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ दोनों मिलकर भाजपा को इसलिए निशाना बना रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि सत्ता में आने पर भाजपा उनके पुराने घोटालों का पदार्फाश कर देगी।

असम चुनाव के लिए मल्लिकार्जुन खरगे ने किए 5 बड़े ऐलान

असम, 29 मार्च। असम विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस ने राज्य की सत्ता में वापसी के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और जनता के लिए 'पांच मुख्य गारंटियों' का एलान किया।

महिला कल्याणः महिलाओं के बैंक खातों में बिना शर्त नकदी ट्रांसफर की जाएगी और नया व्यवसाय शुरू करने के लिए 50,000 रुपये की सहायता दी जाएगी।

स्वास्थ्य सुरक्षाः हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा मिलेगा।

भूमि अधिकारः लगभग 10 लाख स्थानीय 'भूमिपुत्रों' को भूमि का स्थायी पट्टा (मालिकाना हक) दिया जाएगा।जुबीन गर्ग मामले में न्यायः असम के सांस्कृतिक प्रतीक स्व. जुबीन गर्ग की मृत्यु के मामले में

100 दिनों के भीतर जांच पूरी कर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

बुजुर्ग सहायताः राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। रैली के दौरान खरगे ने भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह 'डबल इंजन' नहीं बल्कि 'डबल लूट' की सरकार है, जो असम के संसाधनों का इस्तेमाल दिल्ली में बैठे नेताओं की तिजोरियां भरने के लिए कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को 'नकली मुख्यमंत्री' बताते हुए कहा कि उन्होंने धोखे से सत्ता हासिल की है और अब राज्य में डर का माहौल बना रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर है और उनके नेताओं के परिवार के सदस्य भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा देश को पुराने 'मनुवाद' के हिसाब से चलाना चाहती है, जहां दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव किया जाता है। खरगे ने लोगों से एकजुट होकर ऐसी विभाजनकारी ताकतों को सत्ता से बाहर करने की अपील की।

खरगे ने शंकर देव, गोपीनाथ बोरदोलोई और तरुण गोगोई जैसे महान व्यक्तित्वों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने असम को बनाया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी और देश को एकजुट रखा, वहीं भाजपा केवल लोगों के बीच फूट डालने का काम कर रही है।

तमिलनाडू चुनाव 2026: भारी भरकम वादों के साथ चुनावी मैदान में उतरे विजय

तमिलनाडू, 29 मार्च। तमिलगा वेट्री कझगम के प्रमुख विजय ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा ऐलान किया है। विजय 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों में दो निर्वाचन क्षेत्रों, चेन्नई के पेराम्बुर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से अपनी किस्मत आजमाएंगे। रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी के सभी 234 उम्मीदवारों की विस्तृत सूची भी जारी कर दी है।

विजय ने अपनी 'कोर टीम' के अनुभवी और विश्वसनीय नेताओं को मैदान में उतारा है। प्रमुख उम्मीदवारों में टी. नगर से एन. आनंद, मायलापुर से वेंकट रमन और विलिवक्कम से आधव अर्जुन के नाम शामिल हैं। उम्मीदवारों का परिचय कराते हुए विजय ने भावुक अपील की और कहा कि उन्होंने

अपनी टीम में ऐसे लोगों को चुना है जो सीधे जनता के सवालों का जवाब देंगे।

विजय ने इस चुनाव को सीधे तौर पर अपने गठबंधन और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी डीएमके के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन की आलोचना करते हुए उसे केवल ₹जोड़-तोड़ की राजनीति₹ करार दिया। विजय का दावा है कि उनके उम्मीदवार साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और वे आम आदमी के संघर्षों को बेहतर समझते हैं।विजय ने मतदाताओं से 'सीटी' चुनाव चिह्न पर वोट देने का आग्रह करते हुए वादा किया कि उनकी सरकार कभी जनता के पैसे का दुरुपयोग नहीं करेगी। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा, नशामुक्त राज्य और सख्त कानून-व्यवस्था लागू करने की बात कही।

असम बीजेपी सरकार बनी तो 5 साल में हर घुसपैठिया होगा बाहरः अमित शाह

असम, 29 मार्च। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सोनितपुर जिले की ढेकियाजुली विधानसभा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने असम की सुरक्षा, रोजगार और विकास को मुख्य मुद्दा बनाया। शाह ने जनता से अपील की कि वे केवल मुख्यमंत्री या मंत्री चुनने के लिए नहीं, बल्कि असम को घुसपैठियों से पूरी तरह मुक्त करने के लिए वोट दें।

अमित शाह ने स्वीकार किया कि हालांकि पिछले दस वर्षों में नई घुसपैठ को रोकने में सफलता मिली है, लेकिन अभी भी कई अवैध लोग राज्य में मौजूद हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है, तो अगले पांच वर्षों में हर घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें बाहर निकाला जाएगा। शाह ने कहा कि ये घुसपैठिए असम के युवाओं के रोजगार और संसाधनों पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम ने केवल बम धमाके और हिंसा देखी थी। इसके विपरीत, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने असम को आतंकवाद से मुक्त किया है और लगभग 10,000 युवाओं को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने में मदद की है। उन्होंने कहा कि आज का असम शांति और बड़ी इंडस्ट्रीज की ओर बढ़ रहा है।

शाह ने देश की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के समय पाकिस्तान से आतंकी आकर धमाके करते थे, लेकिन अब मोदी सरकार है। उन्होंने उरी के बाद 'सर्जिकल स्ट्राइक', पुलवामा के बाद 'एयर स्ट्राइक' और पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे आतंकियों का सफाया किया गया। उन्होंने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से सवाल किया कि क्या वे घुसपैठियों के साथ खड़े हैं या उनके खिलाफ।

अमित शाह ने गोपीनाथ बोरदोलोई और भूपेन हजारिका जैसे असम के दिग्गजों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बोरदोलोई जी ने असम को पूर्वी पाकिस्तान में मिलने से बचाया था, फिर भी कांग्रेस ने उन्हें भारत रत्न नहीं दिया। यह सम्मान उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मिला। इसी तरह 'भूपेन दा' को भी मोदी सरकार ने ही भारत रत्न से सम्मानित किया।

देहरादून थाने में पीआरडी जवान की मौत, एसएचओ समेत चार पुलिस कर्मी हटाए गए

देहरादून, 29 मार्च। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक पीआरडी जवान की पुलिस हिरासत में कथित आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। देहरादून के एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने इस सनसनीखेज मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की है। रिपोर्ट के अनुसार, जवान सुनील रतूड़ी ने रायपुर थाने में हिरासत के दौरान कंबल का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी।

इस मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए एसएसपी ने रायपुर थाने के स्टेशन हाउस ऑफिसर और वहां तैनात तीन अन्य पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से हटाकर पुलिस लाइंस भेज दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि इस कदम से जांच प्रभावित नहीं होगी और सच्चाई सामने आ सकेगी।सुनील रतूड़ी की मौत के बाद उनके परिवार ने पुलिस की कहानी पर सवाल उठाए हैं। सुनील के जीजा, अखिलेश डोभाल ने आरोप लगाया है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हिरासत में हुई मौत का मामला है। उन्होंने मांग की है कि घटना के वक्त थाने में मौजूद सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें केवल अटैच करने के बजाय निलंबित किया जाना चाहिए।परिजनों का कहना है कि पूरे स्टाफ को थाने से हटाना इस बात का संकेत है कि कहीं न कहीं उनकी मिलीभगत है। उन्होंने मांग की है कि विभाग को एक आधिकारिक बयान जारी कर उन सभी पुलिसकर्मियों के नाम सार्वजनिक करने चाहिए जो इस घटना के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

फेमस एक्टर का 43 साल की उम्र में निधन, शूटिंग के दौरान डूबने से हुआ हादसा

नई दिल्ली। बंगाली फिल्म और टीवी इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेता राहुल बनर्जी का ओडिशा में एक नाव दुर्घटना के दौरान निधन हो गया। यह हादसा तलसारी बीच पर उस समय हुआ, जब वे अपने टीवी शो भोले बाबा पर करेगा की शूटिंग कर रहे थे। बताया जा रहा है कि शूटिंग के दौरान वे समुद्र में गिर गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत रेस्क्यू कर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शूटिंग के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से राहुल बनर्जी समुद्र में गिर पड़े।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

युद्ध के माहौल में महावीर के दर्शन की उपादेयता

-ललित गर्ग

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर जयन्ती मनाने हुए हम केवल महावीर को पूजे ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीने के लिये संकल्पित हो। आज समुचित दुनिया युद्ध एवं आतंक के मुहाने पर खड़ी है.युद्ध की विकराल होती स्थितियां संपूर्ण मानवता के लिए एक बड़ा संकट बन रही है, ऐसी स्थितियों में युद्ध मुक्ति और अहिंसक समाज रचना के लिए महावीर के सिद्धांतों को अपनाने और महावीर के जीवन दर्शन को स्थापित करने की जरूरत है.

भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- अहिंसा। सबसे पहले अहिंसा परमो धर्मः का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ महाभारत के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम न समाचरेत इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

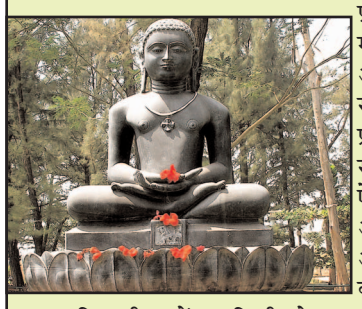

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद कर-के उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे। गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना। महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी। आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो। भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। उनके उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को हरता है। वे सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पुंज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दुःख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दुःख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किंतु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है।

बारूद के ढ़ेर पर खड़ी दुनिया में भगवान महावीर की आवश्यकता

(अतिवीर जैन पराग-विभूति फीचर्स)

रूस यूक्रेन युद्ध के बाद अब इजरायल अमेरिका और ईरान का युद्ध संसार को परमाणु और विश्व युद्ध की ओर ले जा रहा है। ऐसे में भगवान महावीर और उनके उपदेशों अहिंसा एवं ' स्वयं जियो और जीने दो सबको ' की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है ।भगवान महावीर जैन धर्म के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर थे। कुछ लोग अज्ञानवश जैन धर्म का प्रारंभ भगवान महावीर से मानते हैं , जैन धर्म का प्रारंभ प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ से हुआ था। जिन्हें ऋषभदेव के नाम से भी जाना जाता है। भगवान महावीर का जन्म ईसा से 599 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार प्रांत कुंडलपुर में हुआ था । आपके पिता महाराजा सिद्धार्थ और माता महारानी त्रिशला देवी थी । इनका बाल अवस्था का नाम वर्धमान था । इन्हें वीर , अतिवीर , सन्मतिवीर , और महावीर के नाम से भी जाना जाता है । तीस वर्ष की आयु में आपने राजपाट को छोड़ दिया । जंगल में जाकर 12 वर्ष तक घनघोर तपस्या की और कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया। ज्ञान प्राप्त होने पर 42 की आयु से 30 वर्ष तक संसार में रहकर लोगों को सत्य, अहिंसा , अपरिग्रह , अनेकांत , अचौर्य , ब्रह्मचर्य का पाठ पढ़ाया और तत्कालीन समाज को अंधविश्वास और कर्मकांड से मुक्ति दिलाई। भगवान महावीर ने त्याग, संयम, प्रेम ,करुणा, शील और सदाचार के उपदेश जनता को दिए। आपके उपदेश प्राणी मात्र के लिए थे , ना कि किसी जाति , धर्म या व्यक्ति विशेष के लिए। भगवान महावीर ने अहिंसा के साथ जियो और जीने दो का भी सिद्धांत दिया। अहिंसा की बहुत सूक्ष्म व्याख्या की।अहिंसा का अर्थ है हिंसा का परित्याग करना। हिंसा दो प्रकार की होती है द्रव्य हिंसा और भाव हिंसा ।हिंसा करने के मन , वचन और काय (शरीर) तीन साधन होते हैं। किसी को अस्त्र-शस्त्र तलवार से मार देना द्रव्य हिंसा कहलाती है, और मन वचन से दूसरे के प्रति झूठ चोरी क्रोध कपट आदि दुगुर्णों का मन में पैदा होना भाव हिंसा कहलाती है। जैन धर्म के अनुसार जलचर , थलचर , नभचर प्राणियों के अलावा सभी प्राकृतिक चीजों पेड़, पौधों ,वनस्पतियों यहां तक कि नदियों, पहाड़ों ,पत्थरों में भी जीवन होने की मान्यता है। भगवान महावीर का कहना था किसी भी तरह के जीवो की हिंसा यानी एक इंद्रिय , दो इंद्रिय , तीन इंद्रिय , चार इंद्रिय , पांच इंद्रिय वाले किसी भी जीव की हिंसा हमें नहीं करनी चाहिए। हमें अपने मन में सब के प्रति दया भाव रखना चाहिए।मारना तो दूर की बात है किसी के प्रति मन में हिंसा का विचार लाना भी हिंसा का कारण है। विरोधी हिंसा के अंतर्गत यदि आपके राष्ट्र ,धर्म और बहन बेटियों पर कोई संकट आए तो उसका मुकाबला वीरता से करो ऐसे में अहिंसा का व्रत खंडित नहीं होता। दुष्टों से भयभीत होकर भागना या उनका मुकाबला ना करना कायरता की श्रेणी में आता है।

संकट से मुक्ति, विश्वास की शक्ति : हनुमान जयंती पर बदलेगा जीवन

-सुरेश गांधी

चैत्र मास की पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आस्था का वह उजास है जिसमें भक्त अपने भीतर की दुर्बलताओं को त्यागकर शक्ति, साहस और सेवा के मार्ग पर अग्रसर होता है। यह वही पावन अवसर है, जब बीरों के महाबीर और भक्तों के परम आराध्य भगवान हनुमान का जन्मोत्सव पूरे देश में श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह महापर्व 2 अप्रैल को मनाया जाएगा, क्योंकि उदया तिथि के अनुसार उसी दिन सूर्योदय के समय पूर्णिमा विद्यमान रहेगी। धर्मशास्त्रों की मान्यता है कि जिस दिन सूर्योदय में पूर्णिमा हो, उसी दिन व्रत और पर्व का विधान श्रेष्ठ माना जाता है।

चैत्र पूर्णिमा का प्रारंभ 1 अप्रैल को सुबह 7:06 बजे से होकर 2 अप्रैल को सुबह 7:41 बजे तक रहेगा। अतः व्रत, स्नान, दान और पूजा का श्रेष्ठ समय 2 अप्रैल को सूर्योदय से पूर्णिमा समाप्ति तक का है। यह संयोग केवल कालगणना नहीं, बल्कि श्रद्धा का वह सूत्र है, जिसमें विश्वास, अनुशासन और आध्यात्मिक चेतना का संगम होता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा और अटूट भक्ति के जीवंत आदर्श हैं। रामकाज में जीवन अर्पित करने वाले हनुमान का संदेश स्पष्ट है, भक्ति में समर्पण, कर्म में निष्ठा और सेवा में विनम्रता ही जीवन को सफल बनाती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है. संकटों से मुक्ति मिलती है. आत्मबल और आत्मविश्वास बढ़ता है. जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होता है.

हनुमान जी को अष्टचिरंजीवी में स्थान प्राप्त है, अर्थात वे कालातीत हैं, आज भी जीवित हैं और भक्तों की रक्षा करते हैं। त्रेतायुग से लेकर महाभारत काल तक उनकी उपस्थिति के प्रसंग पुराणों में मिलते हैं। शायद यही वजह भी है कि बजरंगबली की उपासना करने वाला भक्त कभी पराजित नहीं होता। तभी तो तुलसीदास जी से पहले हनुमान जी की मुलाकात त्रेतायुग में महाभारत युद्ध के दौरान पाण्डु पुत्र भीम से हुई थी। भीम की विनती पर युद्ध के समय हनुमान जी ने पाण्डवों की सहायता करने का आश्वासन दिया था। माना जाता है कि महाभारत युद्ध के समय अर्जुन के रथ का ध्वज थाम कर महावीर हनुमान बैठे थे। इसी कारण तीखे वाणों से भी अर्जुन का रथ पीछे नहीं होता था और संपूर्ण युद्ध के दौरान अर्जुन के रथ का ध्वज लहराता रहा। कहां यह भी जाता है कि जहां भी राम कथा होती है वहां हनुमान जी अवश्य होते हैं। इसलिए हनुमान की कृपा पाने के लिए श्री राम की भक्ति जरूरी है। जो राम के भक्त हैं हनुमान उनकी सदैव रक्षा करते हैं। भक्ति की पराकाष्ठा का उदाहरण संत तुलसीदास के जीवन में भी देखने को मिलता है। जब मुगल सम्राट अकबर ने उनसे चमत्कार दिखाने की मांग की और अस्वीकार करने पर उन्हें कारागार में डाल दिया, तब तुलसीदास ने हनुमान आराधना की। इसके बाद बंदरों ने महल में उत्पात मचा दिया। भयभीत होकर अकबर ने तुलसीदास से क्षमा मांगी और उन्हें मुक्त किया। यह प्रसंग केवल चमत्कार नहीं, बल्कि भक्ति की शक्ति का प्रतीक है।

बीरों के महाबीर, भक्तों के परम भक्त है हनुमान। हर मुराद के पालनहार है हनुमान। दर्शन मात्र से होते है पलभर में प्रसंन और लगा देते है भक्तों का बेड़ापार। उपर से चैत पूर्णिमा भी है। चैत्र पूर्णिमा का वह दिव्य प्रभात, जब आस्था अपने चरम पर होती है और विश्वास का सूरज नई ऊर्जा के साथ उगता है, यही वह क्षण है जब हर भक्त के हृदय में एक ही नाम गूंजता है, बजरंगबली। 2 अप्रैल गुरुवार को मनाया जाने वाला हनुमान जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन की जड़ता को तोड़कर साहस, शक्ति और समर्पण की ओर बढ़ने का आह्वान है। यह वह दिन है, जब माना जाता है कि हनुमान स्वयं अपने भक्तों के दुख-दर्द सुनते हैं, उनकी बाधाओं को हरते हैं और निराशा के अंधकार में आशा का दीप प्रज्वलित करते हैं। भक्ति की सच्ची पुकार पर तुरंत प्रसन्न होने वाले संकटमोचन, अपने भक्तों को न केवल भयमुक्त करते हैं, बल्कि उन्हें सफलता और आत्मविश्वास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। इस दिन की गई पूजा, व्रत और सेवा केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का माध्यम बन जाती है। सिंदूर की एक चुटकी, सच्चे मन की एक प्रार्थना और सेवा का एक छोटा-सा प्रयास, यही वह सूत्र है, जिससे जीवन की दिशा बदल सकती है

ज्योतिष मान्यता के अनुसार, हनुमान की उपासना से शनि के कुप्रभाव शांत होते हैं। कहते है शनिदेव ने स्वयं वचन दिया था, जो हनुमान का भक्त होगा, उसे वे कष्ट नहीं देंगे। इसलिए शनि दोष, साढ़ेसाती या ढैय्या से पीड़ित जातकों के लिए यह दिन विशेष फलदायी माना जाता है। हनुमान जयंती का वास्तविक अर्थ केवल मंदिरों में पूजा तक सीमित नहीं है। यह पर्व सिखाता है, जरूरतमंदों की सहायता करें, गरीबों को अन्न दान दें, अहंकार, क्रोध और नकारात्मकता का त्याग करें, क्योंकि हनुमान को प्रसन्न करने का सबसे सरल मार्ग है, मानव सेवा। हनुमान जन्मोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मबल जागरण का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि जीवन की हर चुनौती के सामने अगर हनुमान जैसी निष्ठा, साहस और सेवा भावना हो, तो कोई भी संकट बड़ा नहीं रह जाता। जब-जब जीवन डगमगाए, तब-तब यह विश्वास संबल देता है, ह्लजहां राम हैं, वहां हनुमान हैं... और जहां हनुमान हैं, वहां भय का स्थान नहीं ह्ल इस बार 2 अप्रैल को, श्रद्धा के दीप जलाइए...भक्ति के मार्ग पर चलिए...और संकटमोचन के आशीर्वाद से जीवन को उज्ज्वल बनाइए।

ॐ क्रां क्रीं क्रों सः भौमाय नमः, मंत्र का एक माला जाप हनुमान जयंती व मंगलवार को करना शुभ होता है। 5 देसी घी के रोट का भोग हनुमान जयंती पर लगाने से दुश्मनों से मुक्ति मिलती है। व्यापार में वृद्धि के लिए हनुमान जयंती को सिंदूरी रंग का लंगोट हनुमानजी को पहनाइए। हनुमान जयंती पर मंदिर की छत पर लगाइए लाल झंडा और आकस्मिक संकटों से मुक्ति पाइए। तेज और शक्ति बढ़ाने के लिए हनुमान जयंती के दिन हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, सुंदरकांड, रामायण, राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। जो इस प्रकार है- ॐ हनुमान, ॐ अंजनी सुत, ॐ वायु पुत्र, ॐ महाबल, ॐ रामेष्ठ, ॐ फाल्गुण सखा, ॐ पिंगाक्ष, ॐ अमित विक्रम, ॐ उदधिक्रमण, ॐ सीता शोक विनाशन, ॐ लक्ष्मण प्राण दाता व ॐ दशग्रीव दर्पहा। महाबलि, महावीर जितेंद्रिय का विशेष मान है। शनि पीड़ा से मुक्ति, मंगल दोष निवारण या कोई काम बनाने के लिए महाबलि को पूजना उपयुक्त है।

दहेज नहीं लिया, या बस नाम बदल दिया?

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता है। यह संबंध परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक मान्यताओं से जुड़ा होता है। लेकिन जब इन परंपराओं के पीछे छिपी मानसिकता पर सवाल उठता है, तो एक कड़वा सच सामने आता है—हमने बुराइयों को छोड़ा नहीं है, बस उनका स्वरूप बदल दिया है।

आजकल शादियों में एक नया चलन तेजी से उभर रहा है। बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की जाती है—हमने दहेज नहीं लिया। यह सुनते ही एक सकारात्मक छवि बनती है कि समाज बदल रहा है, लोग जागरूक हो रहे हैं। लेकिन जैसे ही शादी की रस्में आगे बढ़ती हैं, यह आदर्शवाद धीरे-धीरे दिखावे में बदलता नजर आता है।

थाली में सजी नगदी, सोना-चांदी और महंगे उपहार—सब कुछ सलीके से प्रस्तुत किया जाता है। फिर एक प्रतीकात्मक अभिनय होता है—लड़का या उसका परिवार उस ढेर में से मात्र एक रुपया उठाता है, मानो यह सिद्ध कर रहा हो कि उन्होंने दहेज नहीं लिया। शेष सब कुछ रिवाज, भात, शगुन या उपहार के नाम पर स्वीकार कर लिया जाता है।

यह दृश्य केवल एक रस्म नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का आईना है। सवाल यह नहीं कि एक रुपया लिया गया या नहीं; असली प्रश्न यह है कि क्या लड़की के परिवार पर आर्थिक या सामाजिक दबाव पड़ा या नहीं।

दहेज प्रथा सदियों से भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या रही है। पहले इसे खुले तौर पर माँगा जाता था—नकदी, गाड़ियाँ, गहने। समय बदला, कानून सख्त हुए, जागरूकता बढ़ी, और इस प्रथा के खिलाफ आवाजें उठीं। लेकिन क्या दहेज वास्तव में समाप्त हुआ? शायद नहीं। आज इसने अपना रूप बदल लिया है। अब इसे सीधे माँगना अनुचित माना जाता है, इसलिए इसे

परंपरा और सम्मान की आड़ में छिपा दिया गया है। भात, तिलक, सगाई के उपहार और विदाई के तोहफे—नाम भले बदल गए हों, पर लेन-देन की प्रवृत्ति वही है।

भात जैसी परंपराएँ, जो कभी स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक थीं, आज कई जगह सामाजिक प्रतिस्पर्धा और दिखावे का माध्यम बन चुकी हैं। कितना सोना दिया गया, कितनी नगदी रखी गई, कितने महंगे वस्त्र और उपहार दिए गए—इन्हीं पैमानों पर अब इज्जत का आकलन होने लगा है। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ डालती है, बल्कि मध्यम वर्ग को भी अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने के लिए विवश करती है।

दिखावे की यह संस्कृति आज के समाज की एक बड़ी विडंबना बन चुकी है। सोशल मीडिया ने इसे और हवा दी है, जहाँ हर आयोजन एक प्रदर्शन बन गया है। हमने दहेज नहीं लिया जैसे वाक्य भी कई बार नैतिकता के बजाय छवि निर्माण का माध्यम बन जाते हैं। परिणाम यह होता है कि एक झूठी धारणा बनती है कि दहेज खत्म हो रहा है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत होती है।

दहेज का सबसे खतरनाक रूप वह है, जो दिखाई नहीं देता—जो अनकहा होता है। कोई खुलकर कुछ नहीं मांगता, लेकिन अपेक्षाएँ स्पष्ट रहती हैं। हमें कुछ नहीं चाहिए, आप अपनी खुशी से कर दीजिए या हमें तो कुछ नहीं चाहिए, लेकिन समाज में इज्जत भी तो रखनी होती है—ये वाक्य सुनने में सहज लगते हैं, लेकिन इनके पीछे गहरा सामाजिक दबाव छिपा होता है। यह दबाव ही दहेज को मजबूरी बना देता है, चाहे उसे स्वेच्छा का नाम क्यों न दिया जाए।

कानून दहेज को अपराध घोषित करता है, लेकिन कानून केवल व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, मानसिकता को नहीं। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि यह प्रथा गलत है, तब तक कोई भी कानून इसे पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकता।

वास्तविक बदलाव के लिए हमें अपने दृष्टिकोण और व्यवहार दोनों को बदलना होगा। परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करना होगा और यह तय करना होगा कि कौन-सी परंपराएँ सार्थक हैं और कौन-सी केवल दिखावे और दबाव का माध्यम बन चुकी हैं। भात और उपहार तभी तक उचित हैं, जब वे पूरी तरह स्वेच्छा और सामर्थ्य के भीतर हों।

विवाह को सादगी और गरिमा के साथ स्वीकार करना होगा। यह समझना होगा कि यह कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि विश्वास और सम्मान का संबंध है। इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी लड़के और उसके परिवार की है। उन्हें स्पष्ट रूप से यह तय करना होगा कि वे किसी भी रूप में, किसी भी नाम से लेन-देन स्वीकार नहीं करेंगे।

अंततः यह स्वीकार करना होगा कि सम्मान धन से नहीं, मूल्यों से आता है। जब तक समाज खर्च को प्रतिष्ठा से जोड़कर देखता रहेगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। अब समय आ गया है कि हम केवल यह कहने का दिखावा न करें कि हमने दहेज नहीं लिया, बल्कि वास्तव में ऐसी स्थिति पैदा करें जहाँ किसी को कुछ देने या लेने की आवश्यकता ही न पड़े।

दहेज के खिलाफ असली जीत तब होगी,

जब एक रुपये का प्रतीकात्मक नाटक समाप्त होगा,

जब रिवाज के नाम पर होने वाला लेन-देन रुकेगा,

और जब विवाह सच में समानता, सम्मान और प्रेम का बंधन बनेगा—

न कि लेन-देन का सौदा।

ट्रंप की हठधर्मिता से धराशाई हुई वैश्विक अमेरिकी प्रभुत्व की धारणा

-तनवीर जाफरी

निःसंदेह संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व के सर्वशक्तिशाली देशों में अपना सर्वोच्च स्थान रखता है। यही वजह है कि दुनिया के अधिकांश देश 'सर्वशक्तिमान अमेरिका' से अपने मधुर सम्बन्ध बनाये रखना ही बेहतर समझते हैं। अपने प्रभुत्व या दबदबे को कायम रखने के लिये अमेरिका भी अन्य देशों के बीच 'बांटो और राज करो' का खेल खेलता आ रहा है। इसी घिनौने खेल के तहत वह दुनिया के लगभग 57 इस्लामिक देशों में शिया सुन्नी मतभेद को हवा देता रहता है। और इसी प्रोपेगेंडा की आड़ में अमेरिका कई इस्लामिक देशों में सामरिक महत्व के अनेक अड्डे संचालित कर रहा है। विदेश संबंध परिषद के अनुसार अमेरिका इस क्षेत्र में कम से कम 19 देशों पर स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के सैन्य ठिकानों का एक व्यापक नेटवर्क संचालित करता है। इनमें बहरीन, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित आठ स्थाई सैन्य अड्डे भी शामिल हैं। अधिकांश इस्लामिक देशों में सैन्य अड्डे संचालित करने के बदले अमेरिका को वहाँ की सरकारों से भारी धन भी मिलता है। उदाहरण के तौर पर सऊदी अरब जैसा इस्लामिक देश अमेरिका को अपने यहां तैनात अमेरिकी सैनिकों के खर्च को आंशिक तौर पर उठाने के बदले में लगभग 500 मिलियन डॉलर देता आ रहा है। अमेरिका और मेजबान देश आमतौर पर स्टेटस ऑफ फोर्सेज एग्रीमेंट और अन्य रक्षा समझौतों के तहत तय करते हैं कि कौन कितना खर्च उठाएगा। इन देशों को भी अमेरिकी संरक्षण, हथियारों की बिक्री, प्रशिक्षण, रक्षा गठबंधन और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ने के रूप में लाभ होता है, जिसके बदले वे अमेरिकी सैनिकों के खर्च या उपयोग के लिए कुछ न कुछ भुगतान या संसाधन देते हैं। अमेरिका दशकों से इसी नीति पर चलते हुये अनेक तेल उत्पादक इस्लामिक देशों से अपनी आवश्यकतानुसार तेल लेता है साथ ही इनकी सुरक्षा के नाम पर इन्हें हथियार भी बेचता है। कुल मिलकर इस प्रपंच के पीछे वह इन देशों को यही सन्देश देता आ रहा है कि - 'अमेरिका ही तुम्हारा रक्षक है अन्यथा ईरान जैसा देश मध्य एशिया के खाड़ी देशों को निगल जायेगा'।

परन्तु गत 28 फरवरी से अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध के बाद ईरान ने 'स्वयंभू महाबली अमेरिका ' को जिसतरह उसकी औकात दिखाई है उसने अमेरिका व इस्राईल सहित स्वयं को अमेरिकी सैन्य ठिकानों के बल पर सुरक्षित रहने की दशकों से गलत धारणा पाले बैठे इस्लामिक देशों को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। ईरान ने जिन लगभग 8 मुस्लिम देशों पर हमले किए इनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन व इराक जैसे देशों के नाम शामिल हैं। इन ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के सार्वभौमिक इलाके। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम,थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टार्गेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी। इन्हीं ईरानी हमलों के बाद अमेरिका को अपना रक्षक समझने वाले खाड़ी के इस्लामिक देशों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि जब अमेरिका खुद अपने सैन्य ठिकानों की हिफाजत नहीं कर सका तो वह दूसरे देशों की रक्षा कैसे करेगा ? इन्हीं हालात ने इस्लामिक देशों को यह सोचने के लिये भी मजबूर किया है कि अमेरिका पर सुरक्षा हेतु निर्भर रहने से बेहतर है इस्लामिक देशों के परस्पर मधुर संबंध बनाना। और साथ ही इनमें से कई इस्लामिक देशों ने अमेरिका व इस्राईल द्वारा खड़े किये गये शिया-सुन्नी मतभेद के पीछे की चाल को भी पहचान लिया है।

ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के सार्वभौमिक इलाके। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम,थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टार्गेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी।

इसीलिये पूर्णतयः अमेरिकी अनुकम्पा पर आश्रित रहने वाले चंद पिछलग्गू देशों के सिवा अधिकांश देशों ने अमेरिका से फासला बनाकर रखने का मन बना लिया है।

ट्रंप ने इस्राईल के दबाव अथवा बहकावे में आकर अपने जिद्दीपन के चलते ही ईरान विरोधी सैन्य अभियान में शामिल होने जैसा जो घातक फैसला किया है उससे दुनिया के अनेक देश ही खिलाफ नहीं बल्कि अमेरिका में घरेलू स्तर पर भी काफी विरोध के स्वर बुलंद हुये हैं। गत दिनों किये गये अनेक सर्वेक्षणों में लगभग 50 से 60 प्रतिशत तक अमेरिकियों ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य हमलों का विरोध किया है या ट्रंप के इस निर्णय से अपनी असहमति जताई है। कई सर्वेक्षणों में तो इन्हें अत्यधिक हस्तक्षेप या अनावश्यक युद्ध तक की संज्ञा भी दी गयी है। डेमोक्रेट पार्टी के विशेष जनसमूह और कई उदारवादी व प्रगतिशील संगठनों ने ट्रंप की ऐसी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किये ऑनलाइन अभियान चलाये और कांग्रेस में प्रस्ताव लाकर इसका विरोध भी किया है। कांग्रेस में डेमोक्रेट नेता टिम केन द्वारा रिपब्लिकन रेंड पॉल के साथ एक द्विदलीय वार पावर रेजोल्यूशन भी लाया गया जिसका उद्देश्य ट्रंप को ईरान के खिलाफ हथियारबंद अभियान सीमित करने के लिए बाध्य करना था। हालांकि यह प्रस्ताव खारिज जरूर हो गया, परन्तु इसके द्वारा अमेरिका में ही ट्रंप की नीतियों का औपचारिक विरोध जरूर उजागर हुआ। कई प्रमुख अमेरिकी मीडिया और विदेश नीति विशेषज्ञों ने ईरान में युद्ध को गलत अमेरिकी रणनीति बताया और इसे इस्राईल के दबाव में घसीटा गया युद्ध और अमेरिकी संसाधनों के व्यर्थ बबार्दी के रूप में वर्णित किया गया है । ट्रंप की नीतियों का यह विरोध इस स्तर तक पहुँच गया कि अमेरिकी राष्ट्रीय आतंकवाद-विरोधी केंद्र के निदेशक जोसेफ केंट ने ईरान के साथ जारी युद्ध के विरोध में अपने पद से इस्तीफा तक दे दिया। अपने इस्तीफे के पत्र में जोसेफ केंट ने स्पष्ट लिखा कि ईरान से अमेरिका को कोई तत्काल खतरा नहीं था और यह युद्ध इस्राईल और उसकी अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया है, इसलिए वे इसका समर्थन नहीं कर सकते। ट्रंप प्रशासन के भीतर कुछ राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया विभाग के अधिकारियों में भी ईरान युद्ध के विरुद्ध असंतोष और मौन विरोध है।

कहना गलत नहीं होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जिन्होंने अपने बड़बोलेपन,घातक व अगंभीर निर्णयों से अमेरिका की छवि को गहरा धक्का पहुँचाया है। जब जिस देश पर चाहे मनमाना टेरिफ लगाकर अन्य देशों को विचलित करना,कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बता देना,कभी वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरै व उनकी पत्नी का जबरन अपहरण कर लेना कभी ग्रीन लैंड पर कब्जे की बात करना कभी क्यूबा पर हमला करने की बातें कर दूसरे देशों की संप्रभुता को ठेंगा दिखाना तो कभी ईरान युद्ध को लेकर बुरी तरह फंसने के बाद युद्ध से बाहर निकलने के लिये तरह तरह के झूठ बोलना व बहाने तलाशना और सोने पर सुहागा यह कि एप्सटीन फाइल्स में ट्रंप जैसों का नाम आने के बाद इनकी बौखलाहट का और अधिक बढ़ जाना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफी है कि ट्रंप की हठधर्मिता ने अमेरिकी प्रभुत्व की वैश्विक धारणा को पूरी तरह धराशाई कर दिया है।

श्री सामाजिक संस्था द्वारा डोंबीवली के दावडी में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया जहां 51 यूनिट रक्त संग्रह हुआ

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। श्री सनातन सामाजिक संस्था द्वारा दावडी गाँव स्थित आर.टी.पी. हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में चिदानंद ब्लड बैंक के डॉ. बिजोय मेथ्यू एवं उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर के दौरान कुल 51 यूनिट रक्त दानदाताओं द्वारा संग्रहित किया गया, जो समाजसेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुभाषचंद्र यादव, महासचिव भरत यादव, कोषाध्यक्ष कृष्णकुमार यादव, कार्याध्यक्ष जयसरोज यादव, सहकोषाध्यक्ष जामवंत यादव, उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, रमेशचंद्र यादव, जोगेन्द्र राजभर, मुकेश यादव, नागेन्द्र चौधरी, विद्यासागर चौधरी, सचिव विवेक यादव, राम आसरे यादव, शैलेश यादव, राजू यादव, सभाजीत यादव, भोला गुप्ता, चंद्रजीत यादव, पंधारी यादव, सूरज यादव, सीताराम यादव, नारायण राजभर, हरीश राजभर आदि संस्था के सदस्यों व सलाहकारों सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक राजेश गोवर्धन मोरे, नगरसेवक जालंधर जयराम पाटिल तथा राष्ट्रवादी पार्टी के डोंबिवली शहर अध्यक्ष शशिकांत सुरेश महात्रे उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना की। अंत में संस्था के अध्यक्ष सुभाषचंद्र यादव ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं तथा आर.टी.पी. स्कूल प्रबंधन एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पत्रकार सुनील पांडे के घर पर भव्य श्री सत्यनारायण भगवान का भव्य एवं पूजा का किया आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड़ गौरव समृद्धि अपार्टमेंट ए बिग 606 में भगवान श्री सत्यनारायण जी का भव्य एवं दिव्या आयोजन किया गया। सुपुत्र देवेंद्र पांडे और बहू श्वेता पांडे ने श्री सत्यनारायण भगवान के पूजा में बैठे थे। जहां पर विधिवत पंडित द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण कर कथा सुनाई गई। इस अवसर पर विशिष्ट लोक पूजा में वरिष्ठ समाज सेवक माता शंकर तिवारी, कमलेश दुबे, श्री चंद्रशेखर मिश्रा, अजीत उपाध्याय, एडवोकेट दीपशिखा तिवारी, उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के वरिष्ठ पत्रकार तारकेश्वर पांडे ने कथा में शामिल होकर श्री सत्यनारायण भगवान का आशीर्वाद लिया।

आपके गैस सिलेंडर बिल का पेमेंट नहीं हुआ, साइबर ठगों ने 11 सौ रुपये के बदले लगा दिया 12 लाख का चूना

मुंबई। खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के कारण गैस की कमी का संकट पैदा हो गया है। इसका अब साइबर जालसाज भी पूरी तरह से फायदा उठा रहे हैं। ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की घटनाएं बढ़ गई हैं। गैस का बिल बकाया, केवाईसी अपडेट और गैस कनेक्शन कटने के नाम पर लोगों से ठगी हो रही हैं। इसी बीच मुलुंड के एक व्यापारी से सिर्फ 1100 रुपये के गैस बिल के नाम पर 12 लाख रुपये ठग लिए गए। इस घटना के बारे में व्यापारी की शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है। हमारे सहयोगी महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करने वाले एक व्यापारी को गुरुवार को उनके मोबाइल फोन पर एक टेक्स्ट मैसेज मिला। मैसेज में उन्हें चेतावनी दी गई थी कि वे अपना गैस बिल तुरंत जमा कर दें, ऐसा न करने पर उनका गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। कनेक्शन कटने से बड़ी मुश्किल खड़ी हो जाएगी। खासकर गैस की मौजूदा कमी को देखते हुए। इस चिंता में व्यापारी ने बिल का भुगतान कर दिया, जो कि कुल 1150 रुपये था। इसके कुछ ही देर बाद उन्हें महानगर गैस कंपनी का प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने बिल भुगतान की स्थिति के बारे में पूछा। व्यापारी ने उसे बताया कि उन्होंने कुछ ही देर पहले बिल का भुगतान कर दिया था। फोन करने वाले ने खुद को अधिकारी बताया और दावा किया कि भुगतान अभी तक उनके सिस्टम में अपडेट नहीं हुआ है। इसके बाद उसने बिल अपडेट करने में मदद के लिए एक अढङ फाइल भेजी।

वशीकरणम में माधव की माँ का रहस्य गहराया; शक सुमन पर गया

मुंबई/पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो वशीकरणम- किस पर रखें विश्वास लगातार दर्शकों को जोड़े हुए है। कहानी अब एक बेहद ड्रामेटिक मोड़ पर पहुंच चुकी है। कहानी, जिसने धीरे-धीरे रहस्य और रोमांच को गहराया है, अब घूम रही है माधव (दीपक सिम्वा द्वारा निभाया गया किरदार) की मां की अचानक और रहस्यमयी मौत के इर्द-गिर्द। इस घटना ने पूरे गांव को हिला दिया है। हर कोई यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर हुआ क्या और कैसे हुआ। जैसे-जैसे सवाल उठने लगे हैं, माहौल और भी तनावपूर्ण होता जा रहा है। हर किरदार अपनी-अपनी तरह से इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहा है। गांव में फैली अनिश्चितता ने चचाओं और अटकलों को जन्म दिया है, जिससे कहानी में एक नई परत जुड़ गई है। अब जब जांच शुरू हो चुकी है, इंस्पेक्टर प्रताप मनोज कोलाटकर द्वारा निभाया गया किरदार मामले की गहराई से पड़ताल कर रहे हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, शक की सुई सुमन पर टिकने लगी है। सच को जोड़ने की कोशिश में अब फोकस इस बात पर है कि छिपे हुए राज क्या हैं और घटना से पहले की परिस्थितियां कैसी थीं। शो के कॉन्सेप्ट क्रिएटर, राइटर और प्रोड्यूसर संतोष आयाचित ने कहा, वशीकरणम के जरिए हम ऐसा डर दिखाना चाहते थे जो सिर्फ जंप स्केयर तक सीमित न हो, बल्कि भावनाओं और यथार्थ से जुड़ा हो। हमारा मकसद यह दिखाना था कि जब किसी के दिल, दिमाग और किस्मत पर नियंत्रण धीरे-धीरे खतरनाक रूप ले लेता है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला-बाल विकास कर्मचारियों का हुआ भव्य सम्मान

समन्वय से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास : सीईओ मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला परिषद पालघर द्वारा गोवर्धन इको विलेज, गालतरे में स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को उनके समर्पित कार्यों के लिए जिला स्तर पर पुरस्कार प्रदान किये गये।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के तहत आठ उत्कृष्ट कर्मचारियों को जिला स्तर के पुरस्कार मिले, जबकि राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त उमेश खिराडे, महादेव इरकर और आनंद आन्नेमवाड का विशेष सम्मान किया गया। इसके अलावा, 'मुख्यमंत्री माझी शाला सुंदर शाला' अभियान के तहत कोटबी बुजडपाडा के शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत 12 परियोजनाओं के लिए प्रमुख सेविकाओं और सहायकों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के पुरस्कार दिए गये। स्वास्थ्य विभाग में भी आशा कार्यकर्ताओं के लिए जिला और तहसील स्तर पर पुरस्कार वितरण किया गया। 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल' पुरस्कार के तहत पांच वर्गों में 15 कर्मचारियों का सम्मान किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक, आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सेविकाएं प्रशासन के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनके कार्यों से ही जिले की प्रगति संभव हो रही है और समाज के समग्र विकास में उनका अहम योगदान है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभागीय समन्वय के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और पालन-पोषण की जिम्मेदारी इन तीनों विभागों की संयुक्त जिम्मेदारी है, और यदि सभी मिलकर काम करें तो एक सक्षम समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में समाज में बाल विवाह निषेध के संबंध में शपथ भी ली गई, जिससे सभी उपस्थित लोगों में सामाजिक दायित्व की भावना और अधिक सशक्त हुई।

इस कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकेटराव हुंडेकर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेविकाएं, शिक्षक और उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनाया गया पूर्व बीएमसी स्थायी समिति अध्यक्ष सुनील आहिरे का जन्मदिन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष, बेस्ट समिति सदस्य एवं नगरसेवक सुनील आहिरे उर्फ लाली भाऊ का जन्मदिन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) मुंबई के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समाजसेवकों ने एकत्रित होकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में एनसीपी मुंबई के सचिव रवि पाल, दक्ष पाल, मंजू पाल, राजेश चौधरी, भगवती यादव, पत्रकार नितिन तोसकर, संजय सिंह, अजय विश्वकर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सभी उपस्थित जनों ने सुनील आहिरे के सामाजिक एवं जनहित कार्यों की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना किये।

पद्मशाली समाज के प्रतिभाशाली छात्रों के साथ विशिष्ट व्यक्तियों को पद्मतेजम पुरस्कार से किया गया सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के पद्मानगर स्थित श्री मार्कंडेय महामुनी वाचनालय समिति द्वारा शनिवार (28) को मार्कंडेय जयंती महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन पद्मशाली समाज भवन में उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया जहां विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा भक्तिमय नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्था के संस्थापक संतोष शेट्टी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में पद्मशाली समाज के शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का मान्यवरों के हाथों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माजी शिक्षण मंडल सभापती आगादास गाजुल, माजी मुख्याध्यापक शंकर वडीगोपुल्ला एवं डॉ. सत्यम पेंबटला को पद्मतेजम पुरस्कार से सम्मानित करते हुए उन्हें सन्मानपत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा शहराध्यक्ष रवी सावंत, आरपीआई शहराध्यक्ष महेंद्र गायकवाड, भिवंडी बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल, अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष रामकृष्ण पोट्टाबत्तीनी, नगरसेवक राजेश शेट्टी, नगरसेविका रंजिता कोंडा, गीता नाईक, समाजसेवक मनोज ठाकूर, राजू गाजंगी सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज की दस जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वाचनालय समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास गौड़ा और सरचिटणीस ईश्वर पामू के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए।

केडीएमसी पैनल-5 में कंक्रीट सड़क बनाने का भूमिपूजन

सुप्रिया सोसायटी से वाणी विद्यालय तक होगा कंक्रीटीकरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम में सड़कों की हालत सुधारने की दिशा में काम तेज हो गया है। केडीएमसी के पैनल नंबर-5 में डीपी सड़कों का जाल बिछाने का काम शुरू हो चुका है। इसी क्रम में सुप्रिया सोसायटी से वाणी विद्यालय तक सड़क के कंक्रीटीकरण का कार्य अब शुरू किया जा रहा है।

इस सड़क कार्य का भूमिपूजन स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी में किया गया। शिवसेना के शहर प्रमुख रवि पाटिल के प्रयासों से और एमएमआरडीए के फंड से यह काम किया जा रहा है। सड़क का कंक्रीटीकरण पूरा होने के बाद यहां के लोगों को बेहतर और सुगम यातायात सुविधा मिलेगी।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि लंबे समय से खराब सड़क की समस्या अब खत्म होगी।

इस मौके पर नगरसेविका प्रमिला पाटिल, किरण भांगले, रुपेश सकपाल, डॉ. तनुजा वायले समेत संघवी स्टेट के कई निवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कुपोषण उन्मूलन की समीक्षा, डॉ. दीपक सावंत ने किया पालघर जिले का दौरा

पालघर(उत्तरशक्ति)। कुपोषण उन्मूलन के लिए राज्य स्तर पर चल रही योजनाओं की समीक्षा हेतु महाराष्ट्र राज्य कुपोषण उन्मूलन टास्क फोर्स के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) डॉ. दीपक सावंत ने 27 मार्च 2026 को पालघर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का दौरा किया। इस दौरे में उन्होंने तलवाड़ा और सायवन स्थित स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया और योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

डॉ. सावंत ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तलवाड़ा के अंतर्गत स्थित उपकेंद्र आंबेघर में गर्भवती माताओं, बाल मृत्यु दर, और कुपोषित बच्चों के लिए चल रही योजनाओं का विस्तार से आकलन किया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मराड, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, मातृ एवं बाल पोषण अधिकारी डॉ. वैदेही मालवी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए दिशा-निर्देश दिए और अधिक प्रभावी कार्यान्वयन की सलाह दी। इसके बाद डॉ. सावंत ने सायवन में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और वहां के मरीजों से संवाद किया।

उन्होंने कुपोषण उन्मूलन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण से संबंधित कार्यों का भी आकलन किया और मार्गदर्शन दिया। इस दौरान सहायक संचालक डॉ. राजकुमार जगताप, डॉ. मनिष रेंघे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संतोष चौधरी, डॉ. शशिकांत सालुंखे, डॉ. वैदेही मालवी, डॉ. रुग्वेद दुधाट, डॉ. युवराज राजमाने, डॉ. महेंद्र नवरे और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

समीक्षा के बाद, जिला परिषद पालघर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विधायक राजेंद्र गावित और पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष की उपस्थिति में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस बैठक में कुपोषण उन्मूलन से संबंधित योजनाओं, जिले की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा की गई।

प्रताप सरनाईक फाउंडेशन द्वारा रामनवमी में भक्तों ने जमकर आनंद लिया निक्की शर्मा रश्मि

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर की पावन पवित्र धरती पर हिंदू संस्कृति में चैत्र नवरात्रि एक महापर्व के रूप में मनाया जाता है। भक्ति के इस महापर्व को ध्यान में रखकर प्रताप सरनाईक फाउंडेशन द्वारा चैत्र नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया गया जो बहुत ही शानदार और आकर्षक रहा। आकर्षण का केंद्र इस बार दक्षिणी वास्तु कला शैली के साथ विशाल दक्षिणी मंदिरों का नजारा पंडाल में भक्तों को देखने को मिला। भक्ति के इस महापर्व में भक्तों ने इस शानदार कार्यक्रम का हिस्सा बनने को अपना सौभाग्य माना। रामनवमी के दिन इस शानदार कार्यक्रम में बनारस के गोपाल राय, साथ ही मुकेश त्रिपाठी, किरण कश्यप, अंजली पाठक, की गायकी ने सब का दिल जीत लिया। इस अवसर पर सौ.परिषा ताई, मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्नेह और आशीर्वाद सभी को दिया। नगर सेविका, महिला सेना विधानसभा प्रमुख अध्यक्षा विहंग चैरिटेबल ट्रस्ट को शानदार कार्यक्रम के लिए निक्की शर्मा रश्मि ने आयोजकों एवं टीम को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी और कहा आशा है आगे भी

इस तरह के आयोजन मीरा भायंदर में होते रहेंगे।

लॉकडाउन की अफवाह फैलानेवालों पर होगा फौजदारी का केस, महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दी वॉर्निंग

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चेतावनी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में पेट्रोल, डीजल का एक महीने का स्टॉक है। इसको लेकर वॉट्सऐप, सोशल मीडिया पर लॉकडाउन की झूठी अफवाह फैलाने वालों पर फौजदारी का मामला दर्ज किया जाएगा। मुंबई में सीएम ने कहा कि सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई जा रही है कि कोराना की तरह लॉक डाउन लगाने की तैयारी है, इससे लोगों में बेचैनी की स्थिति है। अगर कोई यह अफवाह फैलाता है कि देश में लॉकडाउन लगेगा, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम फडणवीस ने कहा कि केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। अगर ऐसा कोई फेक मेसेज वॉट्सऐप, ट्विटर पर फॉरवर्ड भी किया जाता है, तो वह क्राइम होगा। इसलिए कोई भी झूठी अफवाह न फैलाए, नहीं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फडणवीस ने कहा कि भारत के आस-पास के देशों पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश में लगभग शटडाउन जैसी स्थिति है। ऐसी स्थिति में भी भारत में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है। भारत ने स्थिरता बनाए रखी है। इसलिए ग्राहकों को अफवाहों के आधार पर पेट्रोल और डीजल के लिए लाइन में नहीं लगना चाहिए। हमारे पास एक महीने तक चलनेके लिए पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है।

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की आशंका के बीच भारत सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने का निर्णय उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने वाला है।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये कर दी गई है। जबकि डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये से घटाकर जीरो कर दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का वित्तीय बोझ आम नागरिक पर न पड़े।

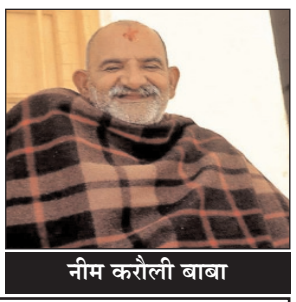

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नशे में धुत पति ने किया पत्नी की हत्या

मायके वालों ने 5 लाख की खातिर बेटी की हत्या का लगाया आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के मडियाहू कोतवाली क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में शनिवार की रात नशे में धुत पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी रही।

वही विवाहिता की मायके से पहुंचे पिता ने पांच लाख रुपए दहेज में नहीं देने के कारण बेटी को की हत्या करने का आरोप लगाकर पुलिस को तहरीर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी शशी पटेल अपनी पत्नी सुनीता पटेल 28 वर्ष के साथ खाने-पीने के बाद अपने कमरे में चला गया था। शशि शराब का आदी था और वह नशे में धुत था। किसी बात को लेकर रात में उसकी अपनी पत्नी से विवाद हो गया वह गुस्से में पत्नी के सिर पर किसी वजनी वस्तु से प्रहार कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शशि के पिता तिलकधारी पटेल ने घटना की खबर पुलिस को दिया पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी रही। मृतका को एक 5 वर्ष की पुत्री भी है। घटना की खबर पाकर सुबह मृतका के मायके वाले भी कोतवाली पहुंचकर पांच लाख दहेज नहीं देने के कारण पुत्र की हत्या करने का आरोप लगाया है।मायके वालों का माना जाए तो उनकी बेटी की शादी 2017 में किया गया था। तब से आज तक उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था और पांच लाख नगद मांगा जा रहा था।

आईपीएल के नए सीजन के आगाज के साथ ही बनारस के सट्टेबाजों का आया कमाई का त्योहार

इंडियन प्रीमियर लीग पर होने वाली सट्टेबाजी को रोकना वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस के लिए है बड़ी चुनौती

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही बनारस के अवैध सट्टेबाजों के लिए कमाई का त्योहार शुरू हो गया है। 28 मार्च 2026 से शुरू हुए इस रोमांचक टूर्नामेंट में मैच शुरू होते ही शहर के गलियों-कूचों में सट्टेबाजी का नेटवर्क सक्रिय हो उठा है।

सरकार द्वारा 2025 में पारित 'प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट' के तहत सभी रियल मनी गेमिंग(ड्रीम 11 आदि) पर स्थायी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वैध प्लेटफॉर्म बंद हो गए है।

इस कदम से अवैध सट्टेबाजी करने वाले धंधेबाज खुलकर खुश नजर आ रहे हैं। वे मान रहे हैं कि अब पूरा बाजार उनके कब्जे में आ गया है। ऑनलाइन ऐप्स के बंद होने से कैश बेस्ड और लोकल नेटवर्क पर निर्भर सट्टेबाजों की मांग बढ़ गई है।

वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस के लिए आईपीएल पर होने वाली सट्टेबाजी को रोकना इस बार बड़ी चुनौती बन गई है। लंका, चौक, चेतगंज जैसे इलाकों में पिछले सालों में कई रैकेट पकड़े गए, लेकिन हर सीजन नये युवा सरगना उभर आते हैं। पुलिस की स्पेशल ड्राइव के बावजूद 'इजी मनी' का लालच युवाओं को चंगुल में फंसा रहा है।

युवा कॉलेज छात्र और छोटे-बड़े व्यापारी सट्टेबाजी के जाल में फंसकर कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, करियर बर्बाद हो रहा है। मैच के उत्साह को सट्टा ने नशे में बदल दिया है। पुलिस निरंतर निगरानी कर रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए रैकेट चल रहे हैं, जिन्हें पकड़ना मुश्किल है।

पूर्व में वाराणसी पुलिस का सट्टेबाजों/बुकियों के खिलाफ एक्शन

25 मई 2013: वाराणसी क्राइम ब्रांच ने चौक इलाके में टी-20 लीग (आईपीएल) पर सट्टेबाजी का रैकेट तोड़ा। 10 लोग गिरफ्तार सरगना महेंद्र सिंह भाग निकला था, 3 कंप्यूटर, 1 लैपटॉप, 30 मोबाइल, 6.4 लाख रुपया नकद बरामद हुआ था। ये गिरोह मुंबई-दिल्ली के बुकियों के लिए लोकल एजेंट के रूप में काम कर रहा था।

5 जून 2013: सट्टेबाज सरगना महेंद्र सिंह को कोतवाली क्षेत्र से क्राइम ब्रांच ने उसके 3 साथियों (शिव शरण अवस्थी, प्रदीप गोस्वामी, अनिल गुप्ता) समेत गिरफ्तार किया था गिरफ्तार। 14.7 लाख सट्टे का पैसा बरामद हुआ था

29-30 मई 2014: चेतगंज (तेलियाना) में पंकज कुमार आर्य के घर पर क्राइम ब्रांच और चेतगंज पुलिस ने छापा मारकर 11 लोग को गिरफ्तार किया था। महेंद्र सिंह फिर से पकड़ा गया था, पंकज कुमार आर्य, संदीप यादव अमित जायसवाल, अजय कुमार गुप्ता आदि पकड़े गए थे, मौके से 3 लैपटॉप, 3 लाइन बॉक्स-कम-ईपीएबीएक्स सिस्टम, 67 मोबाइल व 5.04 लाख रुपये नकद बरामद हुए थे, पुलिस सूत्रों के मुताबिक ये इंटर-स्टेट रैकेट था झ्र दिल्ली-मुंबई-बेंगलुरु के स्पॉट-फिक्सर्स से जुड़कर काम कर रहा था।

9 अप्रैल 2019: यूपी एसटीएफ ने सुंदरपुर इलाके में छापा मारकर अशोक सिंह उर्फ चाहा, सुनील पाल और विक्की खान को गिरफ्तार किया था, मौके से 27.75 लाख नकद, 6 मोबाइल, डायरी (सट्टे के नाम), 1 एसयूवी गाड़ी मिली थी। ये किंगपिन जीतू (जितेंद्र उर्फ जीतु, कानपुर) के गिरोह का हिस्सा था। पूरे यूपी में रैकेट चला रहा था, एसटीएफ की सूचना पर कानपुर से भी 5 लोग गिरफ्तार हुए थे।

6 अक्टूबर 2020: भगवानपुर (लंका थाना क्षेत्र) से आईपीएल पर सट्टेबाजी कर रहे 3 लोग गिरफ्तार।

दिवाकर अग्रवाल, अभय सिंह, सिद्धार्थ मिश्रा। मौके से 6.23 लाख नकद + 6 मोबाइल + कागजात बरामद हुए थे।

29 अप्रैल 2025: लँका थाना क्षेत्र के छित्तूपुर से आईपीएल पर सट्टेबाजी कर रहे 7 युवा गिरफ्तार झ्र हर्षित चंदानी (सरगना, गोदौलिया), विश्वजीत सिन्हा, राजेश सिन्हा व दीपू सिन्हा (भाई), विकास सोनकर, दीपक केशरी पकड़े गये थे, मौके से 10 मोबाइल, 2 कैलकुलेटर, 2 नोटबुक। ये गिरोह आईपीएल मैचों में प्लेयर/रन पर सट्टा लगवाता था। ओला वेट से आईडी भेजकर 10% कमीशन पर काम करता था। सैकड़ों लोगों को 'जल्दी पैसा' का लालच देकर करोड़ों का सट्टा करवाया गया था।

समरस फाउंडेशन ने वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह को दिया जौनपुर गौरव सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समरस फाउंडेशन, मुंबई के बैनर तले कैलाशपति गोधना में रविवार की दोपहर करीब 12 बजे जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी और भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह को उत्कृष्ट सामाजिक सेवा के लिए जौनपुर गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मनोज मिश्रा ने कहा कि महामना व्यक्तित्व के धनी, अपरिमित विभूति होने के बाद भी जिनके नस-नस में सहजता की सीख मिलती है, ऐसे समाजसेवी और समाज के युग पुरुष ज्ञान प्रकाश सिंह को सम्मानित करने से ऐसा लग रहा है कि जैसे सम्मान स्वयं सम्मानित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मां सरस्वती के जो साधक हैं उन्हें मां लक्ष्मी की कृपा नहीं मिलती है और जो मां लक्ष्मी के साधक हैं उन्हें मां सरस्वती की कृपा नहीं मिलती, विरले ऐसे लोग होते हैं जिन पर दोनों की कृपा होती है, उनमें से एक ज्ञान प्रकाश सिंह हैं। श्री सिंह एक अच्छे रचनाकार भी हैं। जिस व्यक्ति में व्यथा है, दर्द है वहीं व्यक्ति समाज के लिए कुछ कर सकता है। श्री सिंह ने अपने शरीर को परोपकार के लिए ढाल दिया है। जो लोग वादा करके आते हैं वह पिछड़ जाते हैं लेकिन श्री सिंह कभी पीछे नहीं हुए। सैकड़ों मंदिरों का जीर्णोद्धार और न जाने कितने लोगों की श्री सिंह ने मदद की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी पं. राधेश्याम तिवारी ने कहा कि मुंबई से लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में ज्ञान प्रकाश सिंह ने जो कार्य किए हैं उसकी गिनती नहीं की जा सकती है। मुंबई में भी कई क्षेत्रों में उन्होंने निःस्वार्थ भाव से काम किया है। जब वह वहां नहीं होते तो हम सब उन्हें मिस करते हैं और यह चर्चा करते हैं कि देखिए उत्तर प्रदेश में ज्ञान प्रकाश सिंह कितना अच्छा कार्य कर रहे हैं। अखबार की सुर्खियों में वह अपने नेक कार्यों के लिए बने रहते हैं।

आयोजक समरस फाउंडेशन के महासचिव शिवपूजन पाण्डेय ने कहा कि यह सम्मान लगभग एक वर्ष से सत्कार मूर्ति की प्रतीक्षा कर रहा था। आज एकादशी के पावन अवसर पर समरस फाउंडेशन अपने सत्कारमूर्ति ज्ञान प्रकाश सिंह को जौनपुर गौरव सम्मान से सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने सम्मान पत्र में अंकित एक-एक शब्द का वाचन किया और यह भी कहा कि आपके तमाम प्रेरणादायक कार्यों को किसी सम्मान पत्र में अंकित नहीं किया जा सकता है। आप जो कार्य कर रहे हैं, उसके लिए तो डायरी के पन्ने भी कम पड़ जाएंगे। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे, डॉ.मंगलेश्वर (मुन्ना) त्रिपाठी, डॉ.मधुकर तिवारी, पत्रकार रामदयाल द्विवेदी, पत्रकार देवी सिंह, पत्रकार चंद्रकांत दुबे, पत्रकार अंकित जायसवाल, शिवा सिंह, अजय शुक्ला, विवेक मिश्रा, विनीत तिवारी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार प्रमोद पांडे ने किया।

नदी में डूबने से 24 वर्षीय युवक की मौत, गांव में मातम

सुशील कुमार गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा क्षेत्र के गढ़ासेनी गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 24 वर्षीय युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर फैल

गई। जानकारी के अनुसार, युवक रोज की तरह नहाने के लिए नदी में गया था। इसी दौरान वह अचानक गहराई में चला गया और डूबने लगा। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकला तो आसपास मौजूद लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। सूचना पर ग्राम प्रधान बृजेश निषाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से युवक को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी, मौत

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के वाजिदपुर दक्षिणी में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विजय बहादुर यादव (22 वर्ष) पुत्र रामसूरत यादव, निवासी अमरा असवारे थाना गौरा बादशाहपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विजय बहादुर यादव वाजिदपुर दक्षिणी स्थित विजय यादव के मकान में किराए पर रह रहा था। रविवार की सुबह लगभग 5 बजे उसके साथ रहने वाले साथियों ने देखा कि वह कमरे में लोहे के एंगल के सहारे रस्सी से लटका हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही साथियों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने भंडारी चौकी इंचार्ज जयदीप कोल के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र पर अज्ञात लोगों ने किया हमला, घायल

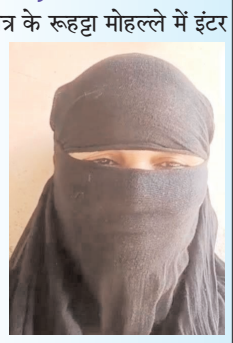

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के रूहट्टा मोहल्ले में इंटर फाइनल का आखिरी पेपर देकर आ रहे छात्र पर अज्ञात लोगों ने ताबड़तोड़ हमला कर उसको घायल कर दिया। राजगढ़ कालोनी निवासी अर्जुन गुप्ता 18 वर्ष पुत्र सुभाष गुप्ता सनबीम कुल्हनामऊ स्कूल में इंटर कालेज का छात्र था जिसका बायोलॉजी का आखिरी पेपर 27 तारीख को था। उसका सेंटर शहर के होली चाइल्ड स्कूल आया था। वह 1: 30 पेपर देकर अपने घर लौट रहा था। जैसे वह रूहट्टा पहुंचा था कि बाइक सवार तीन बदमाश उसको रोक कर बुरी तरीके से मारने पीटने लगे। जिसके कारण वह घायल हो गया। बेखौफ बदमाशों की अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा है तेजी से वायरल हो रहा है।

वाराणसी में अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल से गिरकर महिला की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां एक बहुमंजिला इमारत से गिरकर एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना अवध अपार्टमेंट की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अपने फ्लैट की बालकनी में खड़ी थीं। अचानक वह संतुलन खो बैठीं और कुछ ही सेकंड में नीचे आ गिरीं। सिर के बल गिरने के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। सबसे पहले अपार्टमेंट के गार्ड की नजर महिला पर पड़ी, जिसने तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों को सूचना दी। मौके पर जुटे लोगों ने महिला की हालत जांची और अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

जौनपुर से सपा का तीखा राजनीतिक संदेश, 2027 को बताया निर्णायक मोड़

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने एक आक्रामक प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि देश को मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है, जो भारत को फिर से वैश्विक स्तर पर अग्रणी बना सके। उन्होंने दावा किया कि यह क्षमता केवल अखिलेश यादव में है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब देश को सशक्त नेतृत्व मिला, तब-तब भारत ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की। उन्होंने प्राचीन और मध्यकालीन भारत के उदाहरण देते हुए कहा कि आज देश उन्हीं मूल मूल्यों—एकता, शांति और समभाव—से दूर होता जा रहा है।

उन्होंने वर्तमान व्यवस्था पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि

देश में बेरोजगारी, आर्थिक असंतुलन और सामाजिक विभाजन बढ़ा है। इसके विपरीत, अखिलेश यादव का विजन एक ऐसे भारत का है जहां किसान, युवा और व्यापारी सभी विकास की मुख्यधारा में शामिल हों।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सोच के तहत शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार माना जाता है और देश के विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। साथ ही, भारत को वैश्विक राजनीति में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

अंत में उन्होंने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि वर्ष 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि देश के भविष्य का फैसला होगा। यह चुनाव विकास बनाम विनाश, एकता बनाम विभाजन और रोजगार बनाम बेरोजगारी के बीच की लड़ाई है।

संगीत संध्या 'उमंग' में सुरों की छटा बिखरी, कलाकारों ने बांधा समां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम संगीत संध्या उमंग का आयोजन अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में अत्यंत भव्य एवं संगीतमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गायिका पल्लवी मुखर्जी की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी आत्मप्रकाश धर द्विवेदी ने भी अपनी प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरीं। सांस्कृतिक संध्या के दौरान पल्लवी ने एक से बढ़कर एक गीतों और गजलों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें होश वालों को खबर क्या, आज जाने की जिद न करो, लग जा गले, अजी रूठ, मोह मोह के धागे और समापन में कबिरा जैसे लोकप्रिय गीत शामिल रहे। इस अवसर पर संगतकारों के रूप में ऑर्गन पर राहुल, ढोलक पर सुनील, तबला पर डॉ.अवधेश तथा ऑक्टोपैड पर आशुतोष एवं गिटार पर सविक मुखर्जी ने अपनी सधी हुई संगत से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह एवं पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी.सी. पतंजलि द्वारा कलाकारों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक संध्या की संयोजक डॉ. अन्नू त्यागी ने किया। शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने इस सुरमयी संध्या का भरपूर आनंद लिया।

भविष्य की जरूरत केवल डिग्री नहीं, विजन और कौशल से मिलेगी सफलता: प्रो.रुम्की बनर्जी

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न, विशेषज्ञों ने रखे विचार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली में उभरते मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन रविवार को आर्यभट्ट सभागार में हुआ। इस दौरान प्रबंधन, नेतृत्व, डिजिटल अर्थव्यवस्था और कौशल विकास जैसे समकालीन विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। विभिन्न तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर अकादमिक विमर्श को समृद्ध किया।

समापन सत्र में केके विश्वविद्यालय, नालंदा की प्रति कुलपति प्रो. रुम्की बनर्जी ने कहा कि आज का वैश्विक कॉर्पोरेट जगत ह्यडिग्री-फर्स्टह्ण से आगे बढ़कर ह्यस्किल-फर्स्ट इकोनॉमीह्ण की ओर अग्रसर है, जहाँ व्यावहारिक कौशल और विजन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के बावजूद जटिल समस्याओं के समाधान के लिए मानवीय संवेदना और रचनात्मक सोच अनिवार्य है।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रो. कुशेन्द्र मिश्रा ने कहा कि केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योग की मांग के अनुरूप कौशल विकास आवश्यक है। उन्होंने बेरोजगारी की समस्या को कौशल की कमी से जोड़ते हुए व्यावहारिक ज्ञान पर बल दिया। नेतृत्व एवं सुशासन विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता पूर्व कुलपति प्रो. पी.सी. पतंजलि ने की। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की प्रगति उसके प्रभावी नेतृत्व और सुशासन पर निर्भर करती है। प्रो.एच.सी. पुरोहित ने विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में मजबूत नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित किया। इस सत्र में बी.एल. आर्य विशिष्ट अतिथि रहे तथा प्रो. प्रदीप कुमार सह-अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। दूसरे तकनीकी सत्र में कार्य और बाजार का भविष्यः मानव संसाधन प्रबंधन, कृषि-व्यवसाय, ई-वाणिज्य एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र का समन्वय विषय पर चर्चा हुई। सत्र की अध्यक्षता प्रो. अजय वाघ ने की। उन्होंने बदलते कार्यपरिवेश और मानव संसाधन प्रबंधन के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं प्रो. अमित सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा को कॉर्पोरेट चुनौतियों के समाधान का आधार बताया। संगोष्ठी के अंतर्गत डिग्री बनाम कौशल,प्रतिभा की दौड़ में कौन जीतेगा विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रो. वी.के. सिंह ने की।

अंत में संयोजक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया एवं आयोजन सचिव डॉ. आशुतोष सिंह ने रिपोर्ट प्रस्तुत की. सत्रों का संचालन डॉ. रसिकेश एवं डॉ. सुशील कुमार ने किया. इस अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मुराद अली, प्रो. एस के सिन्हा, डॉ. अमित वत्स, डॉ.अन्नू त्यागी समेत विभिन्न भागों से आये प्रतिभागी उपस्थित रहे।

गायत्री प्रज्ञा मंडल ने एक दिवसीय 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं भंडारा का किया आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कछवा में विश्व शांति एवं लोक कल्याण व उज्जवल भविष्य के लिए गायत्री प्रज्ञा मंडल जमुआ बाजार कछवा मिजार्पुर के तत्वाधान में आही स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मृति समिति के प्रांगण रविवार को आयोजक कमला प्रसाद शर्मा कवि जी के देखरेख में एकदिवसीय 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक कमला प्रसाद शर्मा तथा उनकी पत्नी गंगाजली देवी ने मां गायत्री के चित्र पर पुष्प अर्चित व कलश पूजन कर किया।

इस गायत्री महायज्ञ में क्षेत्र से आए हुए लगभग 300 श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यज्ञ का संचालन डॉक्टर बृजेश द्विवेदी ने किया। आयोजक कमला प्रसाद शर्मा ने बताया कि गायत्री प्रज्ञा मंडल द्वारा 2026 में 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ करने हेतु जो संकल्प लिया गया है उसके तहत यह 56 वां गायत्री महायज्ञ है। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें यज्ञ में आए हुए श्रद्धालुओं व क्षेत्र वासियों ने प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से रामनारायण मास्टर, ब्रह्मा देव यादव, खेलाड़ी सिंह, राधेश्याम सिंह, नागेंद्र नारायण द्विवेदी, गीता रस्तोगी, सावित्री सिंह, शकुंतला, द्विज राज द्विवेदी, संजय सिंह, इंद्रेश सिंह इत्यादि लोग शामिल रहे।

मिर्जापुर में अनियंत्रित कंटेनर ने दूसरे कंटेनर को मारी टक्कर, चालक समेत दो की मौत, दो गंभीर

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। डूमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवाझमिजार्पुर हाईवे पर स्थित डूमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ पर शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित कंटेनर ने आगे चल रहे दूसरे कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पीछे वाले कंटेनर के चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रामपुर जिले के निउसी, मिलक निवासी चालक अरविंद कुमार (36) अपने साथी चालक लालता यादव (50), निवासी खुंटिया, चंदौली के साथ कोल्ड ड्रिंक से लदा कंटेनर लेकर रीवाझमिजार्पुर हाईवे से गुजर रहे थे। शनिवार रात करीब दस बजे जब उनका कंटेनर डूमंडगंज घाटी से नीचे उतर रहा था, तभी अचानक वाहन का ब्रेक फेल हो गया। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की काफी कोशिश की, लेकिन कंटेनर अनियंत्रित हो गया और आगे चल रहे दूसरे कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कंटेनर के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही अरविंद कुमार और लालता यादव ने दम तोड़ दिया। वहीं, इसी दौरान उसी स्थान से गुजर रहे बाइक सवार दो सगे भाई अजय और विजय, निवासी सुभाष नगर, ऊंज, भदोही, भी हादसे की चपेट में आ गए। कंटेनर की टक्कर से उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घाटी क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डूमंडगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज भेजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि दो कंटेनरों के बीच हुई इस टक्कर में पीछे वाले कंटेनर के दोनों चालकों की मौत हो गई है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं घायल बाइक सवारों का इलाज कराया जा रहा है। पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

मड़ियाहूँ पुलिस की मुठभेड़ में वांछित आरोपी घायल, तमंचा व बाइक बरामद

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूँ जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मड़ियाहूँ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान एक वांछित अभियुक्त को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बनाए रखने व वांछित अभियुक्तों की तलाश में गश्त कर रही थी।

इसी दौरान पाली बाजार क्षेत्र में मुखबिर से सूचना मिली कि शिवम राजभर उर्फ गोलू पुत्र राजेश राजभर निवासी मंझनपुर अपने एक साथी के साथ अवैध असलहे के साथ केडवारी की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने केडवारी मोड़ पर घेराबंदी कर संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने लगे और अनियंत्रित होकर गिर पड़े। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर एक बदमाश ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया, जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवम राजभर उर्फ गोलू (उम्र लगभग 21 वर्ष) के रूप में हुई है। घायल अवस्था में उसे उपचार हेतु सीएचसी मड़ियाहूँ भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी तमंचा (.315 बोर), एक जिन्दा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (नंबर यूपी62 डीजे3466) बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फरार अभियुक्त की तलाश जारी है तथा मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षा ही समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव: विधायक

विधायक रमेश सिंह ने शिक्षण कक्ष का किया उद्घाटन, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र के ग्रामसभा सौरइयाँ मलूकपुर में रविवार को अशोक महान शिक्षण संस्थान में नवीन शिक्षण कक्ष का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रमेश सिंह ने फीता काटकर कक्ष का उद्घाटन किया और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। विधायक रमेश सिंह ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षण संस्थान ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की प्रेरणा दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार वर्मा ने मुख्य अतिथि एवं सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह ह्यबब्बूह्ल, पूर्व बीडीसी अरविंद शर्मा, प्रधान सुईथाखुर्द अशोक यादव, नाथ वर्मा, संस्थान के प्रबंधक पलकधारी वर्मा, पूर्व बीडीसी राम नयन यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पागल कुत्ते के हमले में तीन महिलाएं समेत पांच घायल, जिला अस्पताल रेफर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर रविवार को एक पागल कुत्ते के हमले से दहशत फैल गई। कुत्ते ने तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को काटकर घायल कर दिया। सभी घायलों को उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय में इलाज हेतु भर्ती कराया गया।जहां प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। क्षेत्र के मियापुर गांव में रविवार सुबह पागल कुत्ते ने किशोरी लाल (80) पुत्र अल्गू, गरिमा (21) पत्नी समशेर को निशाना बनाया। इसके अलावा खरौना गांव निवासी राजनंदनी (30) पत्नी कपिल तथा सबरहद गांव निवासी पारितोष श्रीवास्तव (48) पुत्र योगेंद्र और कुसुम (26) पुत्री श्यामलाल को भी कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। ग्रामीणों में घटना के बाद भय का माहौल है।

अपहरण व पॉक्सो केस का वांछित आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार, किशोरी बरामद

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति). अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट से जुड़े एक वांछित आरोपी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद किया गया है। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर के मुताबिक नगर के एक मोहल्ला निवासी एक महिला ने 22 दिसंबर 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री को पुरानी बाजार निवासी मोहम्मद अरबाज बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान मामले में गंभीर धाराएं और पॉक्सो एक्ट भी जोड़ा गया। जांच के दौरान पुलिस टीम आरोपी की तलाश में मुंबई पहुंची और कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद सर्विलांस की मदद से टीम महाराष्ट्र के बीड जिले के शिरूर कासार पहुंची, जहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और किशोरी को उसके कब्जे से बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को स्थानीय न्यायालय में पेश कर ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया और उसे कोतवाली लाया गया। इसके पहले भी आरोपी उक्त प्रकरण मे जेल जा चुका है। वहां से जमानत पर छूटने के बाद दूसरी बार किशोरी को लेकर मुम्बई फरार हुआ था पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि बरामद किशोरी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत परिजनों को सौंप दिया।

जनपद में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध: जिलाधिकारी जौनपुर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, पर्याप्त स्टॉक उपलब्धः जिला प्रशासन जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देश पर जिला पूर्ति विभाग ने जनपद में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया है कि किसी प्रकार की कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार, जनपद के 275 पेट्रोल/डीजल पम्पों पर 29 मार्च 2026 को 1558 किलोलीटर डीजल एवं 1182 किलोलीटर पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसके साथ ही ऑयल डिपो से लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे ईंधन की उपलब्धता में कोई बाधा न आए। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को अचानक बढ़ी मांग के चलते 6 पेट्रोल पम्पों पर अस्थायी रूप से स्टॉक समाप्त हो गया था, लेकिन ऑयल कंपनियों द्वारा आपूर्ति बहाल कर दी गई है और अब स्थिति पूरी तरह सामान्य हो चुकी है। विभाग के अधिकारी एवं निरीक्षक लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं, ताकि सभी उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से ईंधन मिल सके।

प्रशासन की अपीलः

जनता से अनुरोध किया गया है कि अनावश्यक भीड़ न लगाएं, केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल लें, किसी भी प्रकार का भंडारण न करें और अफवाहों से बचें। केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

नवरात्रि में माता मुम्बादेवी जी का दर्शन करने के लिए आए वरिष्ठ समाजसेवक और संस्थापक जीवन प्रबोधिनी ट्रस्ट सत्यवान नर और शिवसेना शिंदेगुट के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम से एक औपचारिक मुलाकात हुई। वरिष्ठ समाजसेवी और गुप्ता बुक सेंटर के मालिक हौशिला प्रसाद गुप्ता, युवा नेता अलोक तिवारी, समाजसेवी ओम प्रकाश मिश्रा, पत्रकार शिवा जायसवाल और कई गणमान्य उपस्थित रहे। छायाः उत्तरशक्ति

विधायक रमेश सिंह ने किया तीन प्रमुख मार्गों का भूमिपूजन, करीब 35 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का होगा निर्माण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए रविवार को विधायक रमेश सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर तीन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों की बड़ी भागीदारी रही। शाहगंज क्षेत्र में प्रस्तावित तीन सड़कों–अरसिया-बेलवाई मार्ग (लगभग 4 किमी, लागत 6.57 करोड़), पट्टीनरेन्द्रपुर-सरायमोहिद्दीनपुर मार्ग (लगभग 9.50 किमी, लागत 14.66 करोड़) तथा बड़ौना वाया चिलबिली, गंगोली, सवायन-रूधौली मार्ग (लगभग 8.30 किमी, लागत 14.51 करोड़) का विधिवत भूमिपूजन विधायक रमेश सिंह ने किया।

इन तीनों मार्गों के निर्माण पर कुल मिलाकर करीब 35 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। विधायक रमेश सिंह ने कहा कि मोदी योगी के नेतृत्व में देश-प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। हमारी सरकार विकास के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने पूर्व जनप्रतिनिधि पर विधानसभा क्षेत्र का विकास न करने का आरोप लगाया। कहा कि शाहगंज को बीमारू से आदर्श विधानसभा बनाने के लिए प्रयास जारी है। विधायक ने पूर्व विधायक पर आरोप लगाया कि उन्होंने बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित प्रश्न विधानसभा में कभी पूछा ही नहीं।

सुइथाकला के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से राहगीरों के समय की काफी बचत होगी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह कार्य क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वरिष्ठ भाजपा नेता बेचन सिंह, निषाद पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बिंद, जमुनिया मंडल अध्यक्ष अशोक बिंद ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन हर्ष प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रविंद्र नाथ बिंद, रमेश चंद्र तिवारी, सुशील सिंह अरसिया मंडल अध्यक्ष भीम सिंह भोले, प्रधान सत्य नारायण बिंद, पंचम बिंद, पुष्पा निषाद (महिला मोर्चा विधानसभा अध्यक्ष), अमर बहादुर सिंह, अभिषेक सिंह, पवन शर्मा प्रीत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वसई ईस्ट सीनियर सिटिजन एसोसिएशन ने मनाया महिला शक्ति का भव्य उत्सव

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई ईस्ट सीनियर सिटिजन एसोसिएशन (VESCA) द्वारा ह्यचौथा मंगलवार बैठक के अवसर पर महिला दिवस का आयोजन अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन शिवराम नायक, वाइस चेयरमैन श्रीमती रत्ना शेट्टी, सेक्रेटरी शमशेर सिंह राणा, जॉइंट सेक्रेटरी श्रीमती लता वैष्णव, केशव ममगाईं एवं वसंत नेमा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

भक्ति और सांस्कृतिक आरंभ

कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम एवं लीला मैया तथा ज्योत्सना मेहता द्वारा प्रस्तुत गणपति स्तोत्रम से हुई। लीला मैया ने ना निन्ना ध्याना डोलिरालु पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सेक्रेटरी श्री राणा ने महिलाओं के सामाजिक योगदान को रेखांकित किया, वहीं केशव ममगाईं ने नारी शक्ति के गुणों का प्रभावी वर्णन किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम में विभिन्न कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शास्त्रीय व भक्ति नृत्यः रामकली गुप्ता (बांके बिहारी), दीप्ति भटनागर (पद्मावती) और रूपल सेठ व मयूरी सोनी (नगाड़ा संग ढोल) की प्रस्तुतियां सराहनीय रहीं। मराठी व हिंदी रंगः लता वैष्णव एवं पूजा करापुरकर ने मराठी नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि शीला सुरवे, शालिनी हार्ने, अश्विनी खाटू एवं स्मिता सालास्कर ने मराठी रिमिक्स से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंजू वर्मा, वंदना अस्तिगर व रश्मि घाडगे ने हिंदी रिमिक्स और लता वैष्णव ने हिंदी सोलो गीत प्रस्तुत किया।

गरबा व डांडियाः रक्षा दुबल, मीना वागेला, प्रेमा नायर, निमिषा पटेल, सहज सोमन, नैना सोनी, रत्ना शेट्टी एवं ज्योत्सना जानी ने गरबा की रंगारंग प्रस्तुति दी। वहीं कविता परमार, कैलाश गज्जर, मंजू भाटिया, भारती एम, रश्मि गंगार, पूजा के, मीना वागेला और कंचन पांचाल ने पूनम नी प्यारी प्यारी रात पर डांडिया प्रस्तुत कर माहौल को उत्सवमय बना दिया। कैलाश गज्जर, रमिला टांक एवं कविता परमार ने राधिका गोरी से पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। संगीता खत्री की फैंसी ड्रेस प्रस्तुति और रत्ना शेट्टी द्वारा रानी लक्ष्मीबाई का प्रभावशाली रूपांकन विशेष आकर्षण रहा। प्रेमा नायर ने किंग अंबरीश पर प्रेरणादायक वक्तव्य दिया।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंच व्यवस्था में सहयोग हेतु श्री भानु प्रसाद थपलियाल एवं श्री विजय हिंदुजा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। अंत में चेयरमैन श्री शिवराम नायक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसके पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक भोज का आनंद लिया।

प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के जन्मदिन पर शुभचिंतकों ने दी हार्दिक बधाई

सुलतानपुर (उत्तरशक्ति)। पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए जरूरतमंदों के हित में निरंतर कार्य करने वाले, समाजहित में अपनी पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले तथा समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की पीड़ा को समझने वाले लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया का जन्मदिन पूर्व संध्या पर सुलतानपुर के बरौसा स्थित प्रमुख कार्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर उन्हें शाल एवं श्रीराम नाम का दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया गया।

जन्मदिन पर दिवाकर मिश्र,जयसिंहपुर प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल, दलजीत पांडेय, महाराष्ट्र शासन के विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र, अरविंद शुक्ल,दिनेश सिंह,चंद्रमणि सिंह,सर्वदेव पांडेय,विमलेश मिश्र, निलेश तिवारी गोपाल,संदीप दुबे,शुभम सिंह,नीरज शुक्ल, एडवोकेट प्रवीण शुक्ला, डॉ. शिंटू श्रीवास्तव, शिक्षक अभिषेक पांडेय, सुनील वर्मा,आकाश दुबे, विनोद पांडेय,प्रदीप जायसवाल, अवधेश तिवारी,ब्रह्मदेव दुबे,सहित अनेक समर्थकों ने उपस्थित होकर एवं दूरभाष से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

राजकुमार चौहान हत्याकांड पर चौहान समाज में उबाल, सादुल्लाह नगर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बलरामपुर(सादुल्लाह नगर)। गोरखपुर में स्वर्गीय राजकुमार चौहान की सरेआम गोली मारकर की गई निर्मम हत्या के विरोध में सादुल्लाह नगर, बलरामपुर में शनिवार सायं 6 बजे चौहान समाज द्वारा एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित हुए और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घटना के प्रति गहरा शोक एवं आक्रोश व्यक्त किया। सभा को संबोधित करते हुए मानसिंह चौहान ने कहा, चौहान समाज का कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं है। हम सभी हर परिस्थिति में एकजुट होकर एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने इस जघन्य हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं। हत्याकांड की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराई जाए, मृतक परिवार को 5 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए, वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में इस प्रकार की घटना अत्यंत चिंताजनक एवं निंदनीय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो समाज व्यापक स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगा। सभा में गोंडा, बलरामपुर सहित प्रदेश भर के चौहान समाज में बढ़ते आक्रोश का उल्लेख करते हुए कहा गया कि अब समाज अन्याय के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थितः रमेश चौहान (मंडल उपाध्यक्ष, भाजपा), रामसागर चौहान, ज्वेलर्स अध्यक्ष चौहान विकास समिति, पूर्व प्रधान विजय चौहान, गुज्जी लाल चौहान, छेदीलाल, राजेंद्र चौहान (गजपुर ग्रांट), सतीश चौहान, राजकुमार चौहान (किशुनपुर), मनीष चौहान (मुबारकपुर), संतोष चौहान, बबन चौहान, बलराम चौहान, श्रीराम चौहान, नंदलाल चौहान (बुद्धीपुर), अनिल चौहान, प्रिंस सिंह चौहान, विजय चौहान (प्रधान, बक्सर), साधुराम चौहान, डॉ. पन्नालाल चौहान, दिनेश चौहान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दावत-ए-इस्लामी इंडिया ने हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कैंप लगाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर इकबाल मेमोरियल नवाब यूसुफ रोड स्थित दावत-ए-इस्लामी इंडिया की जानिब से हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कैंप लगाया जिसमें दावत-ए-इस्लामी इंडिया के डिपार्टमेंट हज व उमरा के माहिर ट्रेनर इंजीनियर शाहिद अत्तारी ने हाजियों को ट्रेनिंग देते हुए सफर की एहतियातों के बारे में जानकारी दी और कहा किसी भी तरह की नशे वाली वस्तु अपने साथ ले कर जाना कानून जुर्म है और किसी अनजान व्यक्ति का सामान हरगिज न लें। इसके बाद एहराम बांधने का तरीका पहले मक्का शरीफ जा रहे हैं तो एहराम कहां से बांधेंगे और पहले मदीने शरीफ जा रहे हैं तो एहराम कहां से बांधेंगे, नियत करने के बाद एहराम की पाबंदियां क्या है, तवाफ का तरीका क्या है, सई का तरीका और जरूरी मसाइल, हल्क और तकसीर का तरीका बताया।

मदीने शरीफ की हाजिरी के आदाब के साथ साथ गोवर्मेंट की क्या गाईड लाइन है उसको और भी बहुत अहम जानकारियां हाजियों व हज्जनों को दी। इस अवसर पर अफरोज आत्तारी, मोहसिन आत्तारी, आकीब आत्तारी, इशि तयाक भाई, आदि मौजूद रहे।

जौनपुरःट्रस्ट ने रामनवमी के शुभ अवसर पर कन्याओं को खीर खिलाने के बाद वितरित किया उपहार और चुनरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर की मशहूर मां शीतला धाम क्षेत्र की शीतला जी महारानी पुरोहित ट्रस्ट परिवार के बैनर तले एक प्रोग्राम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र रामनवमी के शुभ अवसर पर आयोजित हुआ इस मौके पर मदद के रूप में स्कूली बच्चों को लिफाफे दिए गए एवं चुनरी सहित अन्य उपहार भेंट किए गए वही उक्त कन्याओं को जरूरत के शिक्षण सामान भी दिए गए आयोजन में ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु और उनकी पत्नी मनोज कुमारी त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर मुख्य रूप से उग्रसेन दुबे,सरोज दुबे, नूतन उपाध्याय ,सत्य प्रकाश मिश्रा,आदर्श ,अनुश्रुति अधिवक्ता,प्रज्ञा ,श्वेता, डॉ कृतिका त्रिपाठी,दिनेश चन्द, नाटे शुक्ला,अवनीश तिवारी,अजय शुक्ला,आदर्श की पत्नी कृति त्रिपाठी,स्कूल के प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

हर नौजवान अपने गाँव में नि :शुल्क लाइब्रेरी खोले-कमलेश यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यादव महासभा की ओर से प्रदेश महासचिव कमलेश यादव एवं पूर्व कोषाध्यक्ष राकेश यादव को सम्मानित करने के लिए कलीचाबाद में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कमलेश यादव ने जिले के हर नौजवान से आह्वान किया कि वे अपने-अपने गाँव में एक निःशुल्क लाइब्रेरी अवश्य स्थापित करने का प्रयास करें, जिसमें गाँव के सभी बच्चे आकर पढ़ें और अपने निर्धारित उद्देश्य को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि निःशुल्क लाइब्रेरी की स्थापना में वे नौजवानों की पूरी मदद करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि यदि गाँव-गाँव में लाइब्रेरी की स्थापना की जाए, तो शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने और जागरूक समाज के

निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। लाइब्रेरी न केवल किताबों का भंडार होती है, बल्कि यह व्यक्तित्व एवं मानसिक विकास का भी केंद्र होती है। उन्होंने यह भी बताया कि लाइब्रेरी गाँवों में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभकारी हो सकती है। गाँव की लाइब्रेरी विशेषकर बालिकाओं को आगे बढ़ने में बहुत मददगार साबित हो सकती है। इस अवसर पर उन्होंने एक नारा भी दिया– आओ, निःशुल्क लाइब्रेरी खोलें। इस अवसर पर श्री पारसनाथ यादव जी, अतुल प्रकाश, चतुर्भुज यादव, संजय यादव, अखिलेंद्र यादव, रमेश यादव,धर्मेन्द्र यादव, अनिल दीप चौधरी, विशाल, सियाराम यादव, राजमणि यादव, कन्हैया, प्रेम प्रकाश, डॉ.विनोद समेत जिले के प्रमुख गणमान्य नागरिक, शिक्षा जगत से जुड़े लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामीणजन मौजूद रहे।

काशी का हरित महाअभियान : एक घंटे में 2.51 लाख पौधे, मन की बात में गूंजा जनसंकल्प

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। धर्म और अध्यात्म की नगरी वाराणसी ने अब पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी ऐसा इतिहास रच दिया है, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। शहर में नगर निगम के नेतृत्व में चलाए गए अभूतपूर्व वृक्षारोपण अभियान ने एक घंटे में 2.51 लाख से अधिक पौधे रोपकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा देश के सर्वोच्च मंच तक पहुंची, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में काशी के इस प्रयास को विशेष रूप से सराहा। उन्होंने इसे जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि जब समाज और सरकार एक दिशा में मिलकर काम करते हैं, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी संभव हो जाता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक पेड़ माँ के नाम जैसे भावनात्मक अभियान का उल्लेख करते हुए देशवासियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। इस महाअभियान की सबसे बड़ी ताकत इसकी व्यापक जनभागीदारी रही। विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न सरकारी विभागों ने एकजुट होकर इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दे दिया। शहर के विभिन्न हिस्सों में एक साथ पौधरोपण कर लोगों ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। पूरे अभियान को सफल बनाने में नगर निगम की सुनियोजित रणनीति और प्रशासनिक समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तय समय सीमा के भीतर इतने बड़े स्तर पर पौधरोपण कराना अपने आप में एक चुनौती थी, जिसे प्रशासन ने कुशल प्रबंधन से संभव कर दिखाया। उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने इस उपलब्धि पर नगर निगम की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग द्वारा प्रदेश भर में हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले समय में इस तरह के नवाचारों को और गति दी जाएगी, ताकि उत्तर प्रदेश को स्वच्छ, हरित और सतत विकास की दिशा में अग्रणी बनाया जा सके। काशी का यह अभियान केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि एक संदेश है, यदि जनसहभागिता और संकल्प मजबूत हो, तो पर्यावरण संरक्षण जैसे बड़े लक्ष्य भी सहज ही हासिल किए जा सकते हैं। यह पहल न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 132वें संस्करण को रविवार को वाराणसी में भाजपा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सुना।

संदिग्ध परिस्थितियों में 17 वर्षीय किशोर की मौत, इलाके में मचा हड़कंप

-प्रियेश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला भंडारी में रविवार रात एक 17 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान शुभम साहू उर्फ छोटू (17 वर्ष), पुत्र विष्णु साहू के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुभम रविवार रात करीब 8 बजे अपने घर के पास बैठा हुआ था और पूरी तरह स्वस्थ नजर आ रहा था। इसी दौरान अचानक घर में छोटू-छोटू कहकर शोर मचने लगा। परिजन घबराकर उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि शुभम परिवार का सबसे छोटा बेटा था। उसकी असामयिक मृत्यु की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। फिलहाल किशोर की मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी।

तीनों लोकों में अद्वितीय है काशी, जहां चिताओं की ज्वाला पर थिरकती है आस्था

-सुरेश गांधी

वाराणसी. न विश्वेश्वरसमं लिंगं, त्रिषु लोकेषु विद्यते.. यह श्लोक केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि उस सनातन चेतना का उद्घोष है, जो काशी की धड़कनों में सदियों से प्रवाहित हो रही है। यह वह सत्य है, जिसे ऋषियों ने अनुभव किया, जिसे गंगा ने बहाया और जिसे हर उस आत्मा ने महसूस किया, जिसने कभी मोक्ष का स्वप्न देखा। काशी, यह नाम एक नगरी का नहीं, बल्कि एक अनुभूति का है। यह वह धरा है, जहां समय भी ठहरकर शिव के चरणों में प्रणाम करता है। न काशी सदृशी पुरी यह केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि यह घोषणा है कि समस्त ब्रह्मांड में काशी जैसा कोई दूसरा केंद्र नहीं, जहां जीवन और मृत्यु एक ही सत्य के दो रूप बन जाते हैं। या यूं कहे जहां एक ओर मौत का सन्नाटा गूंजता है और दूसरी ओर जीवन का उत्सव अपनी लय में बहता है, वह स्थान है मणिकर्णिका घाट। काशी का यह महाश्मशान केवल अंत का स्थल नहीं, बल्कि उस अनंत सत्य का द्वार है, जहां जीवन और मृत्यु एक-दूसरे का हाथ थाम लेते हैं। जी हां, मणिकर्णिका घाट, जहां चिताओं की अग्नि कभी शांत नहीं होती। यहां मृत्यु एक अंत नहीं, बल्कि मुक्ति का द्वार है। यही वह स्थल है, जहां एक ओर शवों की अंतिम यात्रा निरंतर चलती रहती है, तो दूसरी ओर जीवन अपनी नई व्याख्या खोजता है। और इसी महाश्मशान में एक ऐसा क्षण भी आता है, जब मातम के बीच उत्सव जन्म लेता है।

चैत्र नवरात्र की सप्तमी की रात, जब अंधेरे में चिताएं धधक रही होती हैं, तब उन्हीं लपटों के बीच घुंघरुओं की झंकार सुनाई देती है। नगरवधुएं बाबा मसान नाथ के दरबार में नृत्यांजलि अर्पित करती हैं। यह दृश्य विरोधाभास नहीं, बल्कि काशी का सत्य है, जहां शोक और श्रद्धा एक साथ बहते हैं। खास यह है कि यह दृश्य केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है। सदियों पुरानी यह परंपरा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा की पुकार है। समाज के हाशिये पर खड़ी नगरवधुएं, अपनी पीड़ा, अपने प्रश्न और अपनी आकांक्षाएं लेकर यहां आती हैं। उनके लिए यह नृत्य केवल कला नहीं, बल्कि प्रार्थना है, एक

ऐसी प्रार्थना, जिसमें वे अपने अगले जन्म को संवारने की आशा करती हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर के ही एक स्वरूप माने जाने वाले बाबा मसान नाथ, श्मशान के स्वामी, भूतभावन भगवान शिव, उनके सामने यह नृत्य श्रद्धा का सबसे अनोखा रूप बन जाता है। यहां कला और आस्था का ऐसा संगम होता है, जो सामान्य बोध से परे है। जब चिताओं की लपटें आकाश को छू रही होती हैं और उसी के समानांतर नर्तकियों के पांव थिरकते हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि काशी में मृत्यु भी जीवन का ही विस्तार है। यहां श्मशान भी उत्सव का केंद्र बन जाता है, और राख भी एक नई कहानी कहने लगती है।

बता दें, यहां 24 घंटे चिताएं जलती हैं। मान्यता है कि इस महाश्मशान में अंतिम संस्कार होने से आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन वर्ष में एक दिन ऐसा आता है, जब इस श्मशान की गंभीरता में उत्सव का रंग घुल जाता है। जब शोक और श्रद्धा एक साथ बहते हैं, जब मातम के बीच आनंद की अनुभूति संभव हो जाती है, तब काशी अपने सबसे रहस्यमय रूप में सामने आती है। श्लोक का अगला चरण, न विश्वेश्वरसमं लिंगंहमें ले जाता है काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर, जहां स्वयं भगवान शिव विश्वेश्वर के रूप में विराजमान हैं। यह ज्योतिर्लिंग केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सृष्टि का केंद्र है, जहां हर प्रार्थना, हर आह और हर आस्था शिव में विलीन हो जाती है।

काशी में यह अनुभूति केवल दर्शन तक सीमित नहीं रहती। यहां हर क्षण, हर श्वास में शिव का स्पंदन महसूस होता है। सुबह की आरती से लेकर रात की शयन आरती तक, हर पल एक अनंत संवाद चलता रहता है, आत्मा और परमात्मा के बीच। नगरवधुओं की अपनी मान्यता है, वे मानती हैं कि इस जीवन में मिली सामाजिक स्थिति से मुक्ति पाने और अगले जन्म को बेहतर बनाने के लिए वे बाबा मसान नाथ के दरबार में नृत्य करती हैं। उनके लिए यह मंच प्रदर्शन का नहीं, बल्कि आत्मा के उद्धार का माध्यम है। एक नर्तकी बताती हैं कि हर वर्ष यहां आकर वे बाबा के सामने नृत्य करती हैं और प्रार्थना करती हैं कि उनका अगला जन्म सम्मान और सामान्य जीवन से परिपूर्ण हो। दूसरी नर्तकी के शब्दों में, यह हमारे जीवन का सबसे पवित्र क्षण होता है, जहां हम अपनी कला को पूजा बना देते हैं। इस परंपरा के पीछे इतिहास भी उतना ही रोचक है। मान्यता है कि 17वीं शताब्दी में काशी के राजा राजा मानसिंह ने इस घाट पर बाबा मसान नाथ के मंदिर का निर्माण कराया था। वे यहां संगीत का आयोजन कराना चाहते थे, लेकिन श्मशान की भयावहता के कारण कोई कलाकार आने को तैयार नहीं हुआ। तब केवल नगरवधुएं आगे आईं और उन्होंने इस स्थान को अपनी श्रद्धा से जीवंत कर दिया। तभी से यह परंपरा चली आ रही है। आज भी यह आयोजन तीन दिनों तक चलता है, जिसका समापन सप्तमी की रात इस विशेष नृत्यांजलि के साथ होता है। वाराणसी ही नहीं, आसपास के कई जिलों से नगरवधुएं और नर्तकियां इसमें भाग लेने आती हैं। उनके लिए यह केवल एक अवसर नहीं, बल्कि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण संकल्प होता है। त्रिषु लोकेषु विद्यते यह अंतिम उद्घोष काशी की उस महिमा को स्थापित करता है, जो तीनों लोकों में अद्वितीय है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि उस अनुभव का सार है, जिसे साधकों ने तप, त्याग और भक्ति से पाया। काशी की यही विशेषता है कि यहां विरोधाभास नहीं, समरसता है।

मुलुंड में रामनवमी पर निकली भव्य शोभा यात्रा, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

मुंबई (मुलुंड)। गुरुवार को राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सनातन सेवा फाउंडेशन द्वारा भव्य शोभा यात्रा एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कन्हैया गुप्ता ने किया। दोपहर 3:00 बजे बाबाजी की झोपड़ी, गणेश गावड़े रोड, मुलुंड (पश्चिम) से शोभा यात्रा का शुभारंभ हुआ। रामनवमी के उपलक्ष्य में निकाली गई इस यात्रा में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं हनुमान जी की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भक्तजन भक्ति भाव से जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। यह भव्य शोभा यात्रा बाबाजी की झोपड़ी से प्रारंभ होकर अंबाजी धाम मंदिर होते हुए जी.एस. शेट्टी हॉल तक पहुंची। कार्यक्रम के समापन पर जी.एस. शेट्टी हॉल में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। साथ ही, भक्तों के लिए प्रसाद वितरण एवं भंडारे की भी विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस पावन अवसर पर महामंडलेश्वर, संत-महंत, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नानाजी भाई ठक्कर, सोनू सिंह, राकेश शेट्टी, प्रधान संपादक छोटेलाल शर्मा, पत्रकार संतोष जैसवार, कमलेश चौधरानी, निताबेन जोशी, भाग्यश्री झा, चंद्रा सोनार, प्रेम बहादुर यादव, ओमप्रकाश जैसवार एवं गिरीश मल्लाह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में भक्ति, आस्था और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे मुलुंड क्षेत्र राममय हो गया।

वरिष्ठ पत्रकार आनंद शुक्ला का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारती एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद शुक्ला (पूर्व संपादक दैनिक यशोभूमि) का जन्मदिन घाटकोपर वेस्ट में मनाया गया। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर बदलापुर ग्राम जीरिक पुर निवासी आंनद शुक्ला उत्तर भारतीय समाज के होनहार व समाज सेवक सरल व्यक्तित्व विचार धारा वाले कुशल नेतृत्व वाले सरल व्यक्ति हैं । जिनका जन्मदिन आज दिनांक 29 मार्च 2026 दिन रविवार को मनाया गया। वरिष्ठ पत्रकार आनंद शुक्ला एक सरल सौम्या मृदु भाषी , विनम्र , ऊजार्वान , हिंदू वादी , सामाजिक प्रतिष्ठित , उत्तर भारतीय नेता समाज सेवक हैं । इस मौके पर उत्तर भारतीय समाज तथा सामाजिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों के उपस्थित में संपन्न हुआ । सायन कोलीवाड़ा मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला , दैनिक उत्तरशक्ति उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , के के मिश्रा (बच्चन) , ठाकुर दशरथ सिंह, समाज सेवक शुभाष डी यादव , उत्तर यादव युवा संघ के महामंत्री विजय बहादुर एल यादव ,शैलेश यादव , चीफ ब्यूरो आचार्य पंडित दीनानाथ शुक्ल ,पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू , आनंद कुमार मिश्रा सहित सभी लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी । लोगों ने जन्मदिन पर आशिर्वाद प्रदान करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की । दैनिक उत्तर शक्ति संपादक ओम प्रकाश प्रजापति व उपसंपादक प्रेम चंद मिश्र ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी की सुगंध की भांति आंनद शुक्ला जी आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले । जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

बदमाशों ने युवक को मारी गोली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनरेटर चोरी की कोशिश नाकाम होने पर बदमाशों ने शनिवार की देर रात में फायरिंग कर दी। गोली लगने से डीजे संचालक घायल हो गए। इसके बाद घायल ने खुद फोन करके एम्बुलेंस को बुलाया। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने पहले नौपेड़वा सीएचसी पहुंचाया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों ने बाद में बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

तेजीबाजार थाना क्षेत्र के गढ़ाबाघराय बाजार का है। घायल की पहचान 35 वर्षीय अवधेश यादव उर्फ पुल्ली पुत्र कृपाशंकर के रूप में हुई है। मैजिक वाहन से शनिवार रात एक पहुंचे आधा दर्जन बदमाशों ने पहले हवाई फायरिंग की और पूर्व दिशा की ओर चले गए। कुछ देर बाद वे दोबारा लौटे और बाजार में रखे जनरेटर को लादने का प्रयास करने लगे। घायल पुल्ली ने बताया कि जब उन्होंने विरोध करते हुए डंडा फेंका, तो वाहन में सवार एक बदमाश ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली जंघे को छूते हुए निकल गई, जबकि दूसरी जंघे में लग गई। घायल अवस्था में गिरने के बाद बदमाश वाहन समेत हैदरपुर की ओर फरार हो गए। घायल को पहले नौपेड़वा सीएचसी ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल मौके पर पहुंचे और उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। देर रात एएसपी और सीओ सदर सहित कई थानों की फोर्स ने मौके का निरीक्षण किया।

कौशाम्बी सड़क हादसे को लेकर मछलीशहर सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने जताया दु:ख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कौशाम्बी जनपद में हुए भीषण सड़क हादसे को लेकर मछली शहर की सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने गहरा दुख प्रकट किया है। हुए विधायक ने आत्मा की शांति और मृतकों के परिजनों को महान कष्ट को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने इस घटना को हृदय विदारक बताते हुए प्रशासन से हर संभव सहायता और इलाज की मांग की है।

कौशांबी के डोरमा पेट्रोल पंप के पास झपकी आने से एक पिकअप ट्रेलर में जा घुसी, जिससे 5 महिलाओं और 3 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हो गए। इस हृदयविदारक घटना पर मछलीशहर से सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सपा विधायक ने कहा कि कौशाम्बी में हुई सड़क दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद व पीड़ादायक है। उन्होंने कहा, ईश्वर से प्रार्थना है कि आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को इस अथाह दुःख को सहने की शक्ति दें। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उन्होंने प्रशासन से घायलों के बेहतर इलाज और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की।

मछुआरों की सोसाइटियों को तुरंत 'बल्क कंज्यूमर' कैटेगरी से हटाया जाए: डॉ. हेमंत सावरा

वसई। महाराष्ट्र में मछुआरा सोसाइटियों को डीजल खरीदने के लिए 'बल्क कंज्यूमर' कैटेगरी में रखे जाने की वजह से उन्हें बढ़ी हुई कीमतों पर डीजल खरीदना पड़ रहा है। पालघर के खासदार डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने आज लोकसभा में एक जरूरी मांग रखी कि मछुआरा सोसाइटियों को इस दबाव वाली हालत से आजाद किया जाए और तुरंत राहत दी जाए। लोकसभा में जीरो आवर के दौरान, डॉ. सावरा ने सदन का ध्यान महाराष्ट्र में मछुआरों और उनकी कोऑपरेटिव सोसाइटियों की इस गंभीर पैसे की समस्या की ओर दिलाया। डीजल की कीमतों में भारी अंतर: डॉ. सावरा ने बताया कि 'बल्क कंज्यूमर' कैटेगरी में रखे जाने की वजह से, मछुआरा सोसाइटियों को लगभग 113 रुपये प्रति लीटर की दर से डीजल खरीदना पड़ रहा है। दूसरी ओर, बाजार में डीजल की रिटेल कीमत लगभग 87 रुपये प्रति लीटर है। कीमत में इस बड़े अंतर का छोटे और पारंपरिक मछुआरों की रोजी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। मछुआरों के साथ इंडस्ट्रियल कंज्यूमर जैसा बर्ताव गलत है: मछुआरे राज्य सरकार के तय डीजल कोटा सिस्टम के तहत कोऑपरेटिव सोसाइटियों से डीजल लेते हैं। आई ओ सी एल, एच पीसीएल, बि पीसीएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी तेल कंपनियां उन्हें डीजल सप्लाई करती हैं। हालांकि, इन कोऑपरेटिव सोसाइटियों को बड़े इंडस्ट्रियल कंज्यूमर की तरह 'बल्क कंज्यूमर' मानना सही नहीं है। डॉ. सावरा ने बताया कि ये सोसाइटियां आर्थिक रूप से कमजोर और आम मछुआरों को रिप्रेजेंट करती हैं। गुजरात की तरह महाराष्ट्र में भी फैसले की मांग: पड़ोसी राज्य गुजरात का उदाहरण देते हुए डॉ. सावरा ने कहा कि गुजरात सरकार पहले ही वहां की मछली पकड़ने वाली सोसाइटियों को 'बल्क कंज्यूमर' कैटेगरी से हटाकर बड़ी राहत दे चुकी है। अगर महाराष्ट्र में भी ऐसा ही फैसला लिया जाता है, तो राज्य के हजारों मछली पकड़ने वाले परिवारों को रोजी-रोटी मिल जाएगी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री से मुख्य मांगें: डॉ. सावरा ने केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री से ये मुख्य मांगें की हैं: महाराष्ट्र में मछली पकड़ने वाली सोसाइटियों को तुरंत 'बल्क कंज्यूमर' कैटेगरी से हटाया जाना चाहिए। इन्हें एक स्पेशल कैटेगरी में रीक्लासिफाई किया जाना चाहिए और डीजल रियायती या कम रेट पर मिलना चाहिए, सरकार को तेल कंपनियों को इन कोऑपरेटिव सोसाइटियों को सही रियायतें देने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने चाहिए। डॉ. हेमंत सावरा ने माना कि इस फैसले से महाराष्ट्र में पारंपरिक मछली पकड़ने के बिजनेस और इस पर निर्भर लाखों परिवारों को बड़ी फाइनेंशियल राहत मिलेगी।

संग-संग फूड्स एक लाख से अधिक लोगों तक पहुंचने का मना रहा है जश्न

मुम्बई। सेवा, समर्पण, शुद्धता और उत्तम स्वाद के लिए मशहूर संग संग फूड्स एक लाख से अधिक लोगों तक पहुंचने की आकर्षक यात्रा का जश्न मना रहा है। रोटरी क्लब, इनर व्हील क्लब, अग्रोहा समाज और राजस्थानी मंडल सहित अनेकों समाजसेवी संस्थाएं जरूरतमंदों, विद्यार्थियों तक मुफ्त में फूड्स पैकेट्स, मिठाइयां और लंच-डिनर बॉक्स पहुंचाने के लिए सदा प्रयत्नशील रहतीं है, इनमें से कई संस्थाओं के प्रयास को सफल बनाने में संग संग फूड्स की प्रमुख भूमिका रहती आई है। बिल्कुल घर की रसोई का सा स्वाद, स्वच्छता, समय पर डिलीवरी और हाइड्रेशन के लिए जागरूक और समर्पित संग संग फूड्स की मालकिन और प्रसिद्ध समाजसेविका संगीता अरुण खेतान तथा उनकी उत्साही टीम आज मुम्बई की दर्जनों संस्थाओं, व कॉरपोरेट सेक्टर के लिए भरोसेमंद नाम बन गई है। संग संग फूड्स की सेवाएं एक लाख से अधिक लोगों तक पहुंचने के बाद सैकड़ों शुभचिंतकों, स्कूल प्रबंधकों, वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम सेवा से जुड़े लोगों ने समाजसेविका श्रीमती संगीता अरुण खेतान को बधाई दी है।

श्री राम जन्म उत्सव पर भव्य शोभा यात्रा संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर मीरगंज विगत कई वर्षो की लगातार चले आ रहे सनातनी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी श्री राम जन्म उत्सव पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। विश्व हिन्दू परिषद मछली शहर प्रखंड अध्यक्ष नागेंद्र पाण्डेय ने बताया की विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल एवं क्षेत्रीय रहिवाशियो द्वारा उत्तर प्रदेश जौनपुर जिला स्थित मीरगंज के पास मंडी से शुरू होकर मीरगंज बाजार से पंगुलदास कुटी पर जाकर संपन्न हुआ। रथ, गाजे, बाजे एवं भगवा झंडो के साथ श्रीराम भक्तों का काफिला देखकर आस पास के लोग मन्त्र मुग्ध हो गए। पंगुलदास कुटी के महंत बाल ब्रम्हचारी आत्मानंद महाराज, समाज सेवक हनुमंत पाण्डेय, बजरंग दल सहसंयोजक अनिल कौशल, विहिप उपाध्यक्ष अरविन्द मौर्या, राजेश यादव, संजय सिंह, समाज सेवक भोला सेठ अयोध्यावासी, अधिवक्ता विनोद पाण्डेय के साथ साथ भारी संख्या मे क्षेत्र वाशियों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

महिला ने मारपीट व छेड़खानी का लगाया आरोप

खुटहन, जौनपर (उत्तरशक्ति)। तिघरा गांव में एक महिला के साथ मारपीट का वीडियो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित हो रहा है। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ आरोपितों द्वारा छेड़छाड़ किया गया।जिसका विरोध करने पर उसे पीटकर घायल कर दिया गया। पीड़िता ने तीन नामजद आरोपितों के खिलाफ थाने में तहरीर दिया है। गांव निवासी नाजरीन पत्नी मोहम्मद अख्तर ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गत शनिवार की शाम वह गली के रास्ते अपने घर आ रही थी। तभी गांव के इरफान उसके साथ छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर वह दो अन्य साथियों को बुला कर गाली गलौज देते हुए लात घूंसो से पीटने लगा। आरोप है कि बचाव को आई उसकी माता हदीसुन की भी पिटाई किए। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि तहरीर मिली है घटना की जांच की जा रही है।

जांच में लीपापोती का आरोप, ग्रामीणों ने अधिकारियों को बैरंग लौटाया

महराजगज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय ब्लॉक अंतर्गत लमहन गांव में ग्राम प्रधान पर लगे कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने पहुंचे अधिकारियों को ग्रामीणों के तीव्र विरोध के चलते बैरंग लौटना पड़ा। जांच के दौरान अधिकारियों पर लीपापोती और पक्षपात का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की। बताया जाता है कि ग्राम प्रधान पर लाखों रुपये के गबन तथा विभिन्न विकास कार्यों में फजीवाड़े के गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों की जांच के लिए पहुंचे बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल एवं अधिशासी अभियंता (टेक्नीशियन सहायक) नीरज सिंह के रवैये से ग्रामीण असंतुष्ट नजर आए। ग्रामीणों और शिकायतकताओं का आरोप है कि जांच अधिकारी निष्पक्षता बरतने के बजाय प्रधान को बचाने का प्रयास कर रहे थे। इसी को लेकर मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ा विरोध जताया और जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए। ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा में फर्जी भुगतान, आवास योजना में अवैध वसूली, विकलांगों और नाबालिगों के नाम पर धन निकासी जैसे कई गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। गांव के अरविंद मिश्र सुशील प्रमोद और पंकज मिश्रा ने आरोप लगाया कि बीते चार-पांच महीनों से जांच को टालते हुए लटकाया जा रहा था और जब अधिकारी पहुंचे भी, तो उन्होंने निष्पक्ष जांच करने के बजाय दबाव बनाने की कोशिश की। स्थिति तनावपूर्ण होती देख ग्रामीणों ने अधिकारियों को गांव से वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। साथ ही उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में अवादा ग्रुप का विस्तार

मुंबई। देश की अग्रणी सौर ऊर्जा निमार्ता कंपनी 'अवादा इलेक्ट्रो' ने अपनी विस्तार रणनीति के हिस्से के रूप में राज्य स्तरीय 'चैनल मीट' कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम के माध्यम से कंपनी ने महाराष्ट्र सहित पूरे देश के रिटेल सोलर मार्केट और वितरित सौर ऊर्जा क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया है। नागपुर में आयोजित इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में ईपीसी ठेकेदार, रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने वाले तकनीशियन और क्षेत्रीय चैनल पार्टनर्स उपस्थित थे। इस विस्तार योजना के बारे में जानकारी

देते हुए अवादा इलेक्ट्रो लिमिटेड के अध्यक्ष विनीत मित्तल ने कहा कि नागपुर शहर कंपनी के उत्पादन केंद्र के करीब होने के कारण व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत में रूफटॉप सोलर ऊर्जा का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण मॉड्यूल्स उपलब्ध कराकर आम लोगों तक सौर ऊर्जा पहुँचाना हमारा उद्देश्य है। इस परियोजना से न केवल राज्य की ऊर्जा क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को भी मजबूती मिली है। अवादा इलेक्ट्रो के ये सोलर मॉड्यूल्स अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रमाणित हैं और केंद्र सरकार की एएलएमएम सूची में शामिल हैं।

सुकृष्णा कॉमर्स एकेडमी में प्रतिभा सम्मान समारोह सह ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2026 का भव्य आयोजन

पटना। सुकृष्णा कॉमर्स एकेडमी द्वारा रविवार को अनुग्रह नारायण कॉलेज ऑडिटोरियम, बोरिंग रोड, पटना में प्रतिभा सम्मान समारोह सह ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करना एवं अन्य छात्रों को प्रेरणा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित ओरिएंटेशन सत्र में विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र, करियर विकल्पों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर अभ्यास एवं सही मार्गदर्शन को सफलता की कुंजी बताया। इस अवसर पर संस्थान की गौरवपूर्ण उपलब्धि का भी उल्लेख किया गया।

जहां राख भी बोलती है : यह काशी है, यहां मृत्यु नहीं, मुक्ति जन्म लेती है!

वाराणसी . न मणिकर्णिका समं तीर्थं, न काशी सदृशी पुरी। न विश्वेश्वरसमं लिंगं, त्रिषु लोकेषु विद्यते॥ यह श्लोक केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के उस दिव्य बोध का उद्घोष है, जो हजारों वर्षों से मानव आत्मा को मोक्ष की दिशा दिखाता आया है। जब इस श्लोक का उच्चारण होता है, तो यह केवल काशी की महिमा का वर्णन नहीं करता, बल्कि उस आध्यात्मिक शिखर की ओर संकेत करता है, जहां जीवन और मृत्यु का भेद समाप्त हो जाता है। काशी–यह नाम मात्र नहीं, बल्कि एक अनुभूति है। यह वह नगरी है जिसे अविनाशी कहा गया, जहां समय भी ठहरकर शिव के चरणों में विश्राम करता है। शास्त्रों में वर्णित यह सत्य कि न काशी सदृशी पुरी–दरअसल इस बात का प्रमाण है कि काशी केवल एक शहर नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की आध्यात्मिक धुरी है। यहां हर गली, हर घाट, हर शंखध्वनि में एक अनंत कथा बहती है। इस श्लोक का पहला चरण हमें ले जाता है मणिकर्णिका घाट की ओर– जहां अग्नि कभी शांत नहीं होती। यह वह स्थान है, जहां मृत्यु भी अंत नहीं, बल्कि मुक्ति का द्वार बन जाती है। न मणिकर्णिका समं तीर्थं–यह घोषणा केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि उस जीवन-दर्शन का सार है जिसमें शरीर की नश्वरता और आत्मा की अमरता का साक्षात अनुभव होता है। मणिकर्णिका की जलती चिताएं केवल देह का दाह नहीं करतीं, वे अहंकार, मोह और माया के बंधनों को भी भस्म कर देती हैं। यहां मृत्यु शोक नहीं, बल्कि एक उत्सव है–मोक्ष का उत्सव। यही कारण है कि काशी में अंतिम यात्रा भी राम नाम सत्य है के उद्घोष के साथ एक आध्यात्मिक यात्रा बन जाती है। और जब श्लोक कहता है–न विश्वेश्वरसमं लिंगं–तो वह सीधे हमें ले जाता है काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर, जहां स्वयं महादेव विश्वेश्वर के रूप में विराजमान हैं। यह ज्योतिर्लिंग केवल एक पूजास्थल नहीं, बल्कि सृष्टि के केंद्र का प्रतीक है। यहां शिव केवल आराध्य नहीं, बल्कि अस्तित्व का मूल तत्व बनकर स्थापित हैं। विश्वनाथ का यह दिव्य लिंग उस सत्य का प्रतीक है कि सृष्टि का हर कण शिवमय है। काशी में यह अनुभूति केवल दर्शन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जीवन के हर क्षण में समाहित हो जाती है। यहां सुबह की आरती से लेकर रात की शयन आरती तक, हर पल शिव के सान्निध्य का अनुभव होता है। इस श्लोक का अंतिम चरण–त्रिषु लोकेषु विद्यते–पूरे ब्रह्मांड के लिए एक उद्घोष है। यह कहता है कि तीनों लोकों–भू, भुवः और स्वः–में काशी, मणिकर्णिका और विश्वनाथ जैसा कोई दूसरा नहीं। यह अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक अनुभव का परिणाम है, जिसे ऋषियों ने अपने तप और साधना से प्राप्त किया। काशी की यही विशेषता है कि यहां जीवन और मृत्यु, भक्ति और विरक्ति, आस्था और अनुभूति. यहां गंगा की धारा केवल जल नहीं बहाती, वह संस्कार, संस्कृति और चेतना का प्रवाह लेकर चलती है। आज के भौतिकवादी युग में, जब जीवन की दौड़ में मनुष्य अपने अस्तित्व के मूल प्रश्नों से दूर होता जा रहा है, तब यह श्लोक एक बार फिर हमें उसी मूल की ओर लौटने का आह्वान करता है।